स्काउट गाइड
ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष-22, अंक-01, जुलाई, 2021 (कुल पृष्ठ-32) मूल्य: ₹ 15/-

राज्यपाल महोदय के सान्निध्य में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक

कोरोना में सेवा-कार्य

जालोर

पाली

श्रीगंगानगर

राजसमन्द

उदयपुर

कोटा

उदयपुर

श्रीगंगानगर

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 22 अंक : 01
जुलाई, 2021

सलाहकार मण्डल

डॉ. जे.सी. महान्ति
आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी
आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

रूक्मणि आर. सिहाग
आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

मुग्धा सिन्हा
आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

सांवरमल वर्मा
आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

सिद्धी कृष्णा कौशिक
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मनोज जैन
राज्य कोषाध्यक्ष

सम्पादक मण्डल

तेजराज सिंह
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रविनन्दन भनोत
राज्य सचिव

डॉ. सुषमा सिंघवी
सहा.स्टेट कमिश्नर (स्काउट गाइड ज्योति)

गिरधारी लाल शर्मा
सदस्य, राज्य परिषद

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

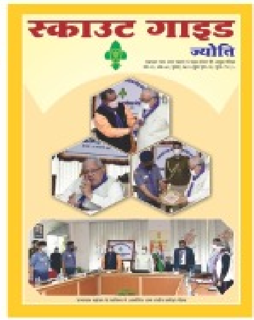

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
सम्पादकीय	4
राज्यपाल महोदय के सान्निध्य में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित	5
राज्यपाल महोदय द्वारा ऑनलाइन समीक्षा बैठक	6
राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान प्रथम	8
करियर गाइडेंस श्रृंखला का हुआ शुभारम्भ	9
प्रथम ऑनलाइन ग्लोबल कल्चरल जम्बूरी श्रीलंका	10
कोविड-19 (कोरोना वायरस) से बचाव एवं उपचार	11
डोडुआ (सिरोही) के स्काउट्स का हुआ सम्मान	12
राज्य मुख्य आयुक्त की उदयपुर विज़िट	13
राज्य मुख्य आयुक्त की बीकानेर विज़िट	14
स्काउट लखपत सिंह को प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ कम्युनिटी का कांस्य पदक	15
राज्य कार्यकारिणी समिति	16
राज्य स्तरीय रंगोली पेंटिंग प्रतियोगिता-2021	17
समय का दर्शन	18
नेशनल ग्रीनकोर : नेशनल ग्रीन कोर के तहत पर्यावरणीय गतिविधियां	19
सिल्वर एलीफेंट	22
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अमेरिका सिंह से भेंट	23
सड़क सुरक्षा-नियम एवं पालना	24
वॉल क्लाइम्ब एवं एडवेंचर प्रशिक्षण शिविर	25
गतिविधि दर्पण	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क :150/-	1200/-
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

कोरोना के विरूद्ध हमारे कोरोना यौद्धा

कोरोना का प्रकोप कुछ कम पड़ा ही था कि इस विश्वव्यापी वायरस ने पुनः अपना रौद्र रूप दिखा दिया। कोरोना की यह दूसरी लहर अधिक घातक रही है। प्रतिदिन संक्रमितों की संख्या में पूर्व से कहीं अधिक इजाफा दर्ज किया गया। ऐसे विकट समय में भी कोरोना के विरूद्ध जन–आंदोलन में इस संगठन की भूमिका समाज में और अधिक महत्वपूर्ण साबित हुई, हमने एक बार फिर अपनी ताकत व शक्ति प्रदेशवासियों की रक्षा व समझाइश के लिए लगाई।

आप सभी को यह बताते हुए हर्ष है कि प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं प्रदेश संगठन के संरक्षक श्रीयुत् कलराज जी मिश्र ने प्रदेश के स्काउट–गाइड संगठन द्वारा कोविड काल में जन सेवा एवं कोरोना से बचाव के लिए किए जाने वाले उत्कृष्ट कार्यों के लिए चल बैजंती शील्ड प्रदान किए जाने की घोषणा की है। श्री मिश्र ने 29 अप्रेल को राजभवन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की समीक्षा बैठक को ऑनलाइन सम्बोधित करते हुए यह घोषणा कर हम सभी को गौरवान्वित किया है। इससे पूर्व फरवरी माह में श्री मिश्र ने प्रदेश स्काउट गाइड संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यों व गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर प्रदेश के अनेक सर्कल ऑर्गेनाइजर्स से वेबिनार के माध्यम से सीधी वार्ता कर वास्तविक स्थिति का आंकलन किया था।

दुनियाभर के विज्ञानिकों का कहना है कि कोविड–19 के संक्रमण की तीसरी लहर में इस वायरस के पहले से कहीं अधिक तेजी से बढ़ने की संभावना है। ऐसे में हमें अपनी पूरी ताकत और दृढ़ता से समाज में अपनी मौजूदगी बनाते हुए जन जागरूकता लाने, लोगों को सावधानी बरतने, मास्क बनाने और उनका वितरण इत्यादि सेवा कार्यों को गति देनी है। साथ ही हमारे सभी प्यारे बच्चों को अपना स्वयं का पूर्ण रूप से ध्यान रखना है। आप सभी से आग्रह है कि आवश्यक सावधानी बरतें और स्वयं को बचाते हुए सेवा कार्य करें।

शुभकामनाओं सहित.....

आपका

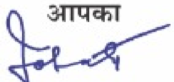

(जे.सी. महान्ति)
स्टेट चीफ कमिश्नर

कोरोना ने किया प्रभावित

संपादकीय

गत जनवरी से कोरोना महामारी के चलते आंशिक लॉकडाउन और फिर पुनः मार्च से पूर्ण लॉकडाऊन के चलते हमारे प्रकाशन, गतिविधियां और कार्यक्रम अत्यधिक प्रभावित हुए है। आप सभी को अवगत कराते हुए खुशी है कि स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन पुनः प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है।

आप सभी पाठकों, कार्यकर्ताओं मुख्यतः सभी सर्कल ऑर्गेनाइजर्स एवं स्थानीय संघ सचिवों से निवेदन है कि आप द्वारा की जा रही स्थानीय गतिविधियों एवं कार्यक्रमों, एनजीसी गतिविधियों, वेबिनार कार्यक्रमों, सामाजिक सेवा व जनजागृति कार्यक्रमों इत्यादि की रिपोर्ट्स मय फोटो के हमें ई–मेल के माध्यम से आवश्यक रूप से भिजवायें जिससे स्काउट गाइड ज्योति में प्रकाशित किया जा सके। वर्तमान में सोशल मीडिया के माध्यम से तो पता चलता है कि स्काउट गाइड द्वारा स्थानीय स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं, परन्तु उनकी रिपोर्ट व फोटो ई–मेल के माध्यम से प्राप्त नहीं होती है। ज्ञातव्य रहे कि प्रकाशन हेतु ई–मेल पर प्राप्त रिपोर्ट व फोटो ही प्रयुक्त किये जाते हैं।

सभी पाठकों की जानकारी एवं सुलभ संदर्भ उपलब्ध कराने की दृष्टि से इस अंक में प्रदेश में गत जनवरी से जून, 2021 तक की गई गतिविधियों, शिविरों, कार्यक्रमों, वेबिनार इत्यादि को सम्मिलित किया जा रहा है।

रविनन्दन भनोत
राज्य सचिव

राज्यपाल महोदय के सान्निध्य में
राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

सेवा और समर्पण भाव जगाने के साथ नई पीढ़ी को सुसंस्कारित बनायें - राज्यपाल

राजस्थान के राज्यपाल एवं प्रदेश स्काउट संगठन के संरक्षक श्री कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य में राजभवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में 12 फरवरी, 2021 को राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी, स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति एवं राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल उपस्थित थे तथा सभी जिलों के अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि राजस्थान के स्काउट एवं गाइड स्वयं की प्रेरणा से सेवा को परम धर्म मानते हुए कार्य करें ताकि न सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भी इस संगठन की अलग पहचान बन सके। उन्होंने कहा कि बालक–बालिकाओं में सेवा और समर्पण भाव जगाने के साथ उन्हें सुसंस्कारित बनाने और भावी जीवन की चुनौतियों से मुकाबला करने में सक्षम बनाने का कार्य राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन बखूबी कर रहा है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने राजभवन से राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संगठन के मुख्य संरक्षक के तौर पर ऑनलाइन संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चाहे शांति का समय हो या आपदा काल, स्काउट एवं गाइड आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सेवा कार्य के लिए अपना सहयोग देने पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी प्रदेश में स्काउट्स एवं गाइड ने राहत कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने आह्वान किया कि आमजन में इस विश्वास को बनाये रखते हुए संगठन सांस्कृतिक परम्परा और लोककलाओं को सहेजने की दिशा में भी कार्य करे।

राज्यपाल श्री मिश्र ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि नशा मुक्ति, वरिष्ठजन एवं दिव्यांगजन कल्याण, सड़क सुरक्षा, जल स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत और नेशनल ग्रीन कोर से संबंधित गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने के कारण राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन को चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड सहित 12 प्रमुख पुरस्कार प्रदान किये गए हैं।

राज्यपाल श्री मिश्र ने अजमेर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, जोधपुर, भरतपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, झुंझुनूं, झालावाड़ और जयपुर में स्काउट एवं गाइड द्वारा कोरोनाकाल में की गई सेवा गतिविधियों, राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, मतदान बूथों पर सहयोग सहित विभिन्न सेवा कार्यों के बारे में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर जानकारी ली।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन के अध्यक्ष श्री अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश में स्काउट एवं गाइड जाति और पंथ से ऊपर उठकर मेला, पर्व, सामाजिक आयोजनों, विपदा एवं विपरीत मौसम में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से सेवा कार्य कर रहे हैं।

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति ने संगठन के इतिहास, प्रगति एवं वर्ष भर की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में संगठन से 11 लाख 65 हजार से अधिक स्काउट गाइड एवं 40 हजार स्काउटर एवं गाइडर निःस्वार्थ भाव से जुड़े हैं। श्री महान्ति ने राज्यपाल महोदय को राज्य पुरस्कार समारोह, पर्यावरणीय कार्यो व गतिविधियों, जनजाति कार्यक्रमों व शिविरों, कोविड–19 में किये गये सेवा कार्यो, मतदान में सेवा कार्यो, ऑनलाइन आयोजित राष्ट्रीय गायन, पेंटिंग व अन्य प्रतियोगिताओं, अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों, डेज़र्ट ट्रेकिंग, साइकिल हाइक, मैसेन्जर ऑफ पीस, स्काउट आवासीय विद्यालय, वयस्क लीडर प्रोग्राम व राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सर्वोच्च व सर्वाधिक पुरस्कारों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल महोदय को अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने संगठन का स्कार्फ पहना कर तथा स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। राज्यपाल श्री मिश्र ने संविधान की उद्देश्यिका तथा मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया।

राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल, स्टेट कमिश्नर (रेंजर) श्रीमती मुग्धा सिन्हा सहित जिलों से स्काउट गाइड पदाधिकारी ऑनलाइन उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदय द्वारा ऑनलाइन समीक्षा बैठक

कोविड काल में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान की जाएगी चल बैजंती शील्ड

कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर सेवा कार्य करें स्काउट-गाइड

- राज्यपाल

जयपुर, 29 अप्रेल। राज्यपाल श्री कलराज जी मिश्र ने प्रदेश के स्काउट–गाइड संगठन द्वारा कोविड काल में जन सेवा एवं कोरोना से बचाव के लिए किए जाने वाले उत्कृष्ट कार्यों के लिए चल बैजंती शील्ड प्रदान किए जाने की घोषणा की है। राज्यपाल श्री मिश्र ने गुरुवार को यहां राजभवन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की समीक्षा बैठक को ऑनलाइन सम्बोधित करते हुए यह घोषणा की। स्काउट–गाइड द्वारा कोरोना रोकथाम के लिए जन चेतना, सेवा कार्य, जन सहयोग से कोविड नियंत्रण हेतु उल्लेखनीय कार्यों के लिए स्काउट–गाइड मंडल को यह चल वैजंती शील्ड प्रदान की जाएगी। यह शील्ड अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा व उदयपुर मण्डल स्थित जिलों की पांच हजार यूनिटों में कार्य करने वाले लगभग 1.50 लाख स्काउट गाइड द्वारा किए जाने वाले उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर दी जाएगी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने स्काउट–गाइड संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कोरोना महामारी की दूसरी लहर को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चिकित्सा विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा कार्य करें।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि स्काउट–गाइड कार्यकर्ता होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना संक्रमित मरीजों, निर्धन, असहाय, अकेले रह रहे लोगों और वृद्धजनों की भोजन, दवा आदि जरूरतों का ख्याल रखें तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी उठाएं। उन्होंने इस संगठन से जुड़े युवाओं से कोविड अस्पतालों में बेड की उपल धता और लोगों को आ रही परेशानियों का निस्तारण करवाने तथा आवश्यक फीडबैक सरकार तक पहुंचाने में सहयोग करने का भी आह्वान किया।

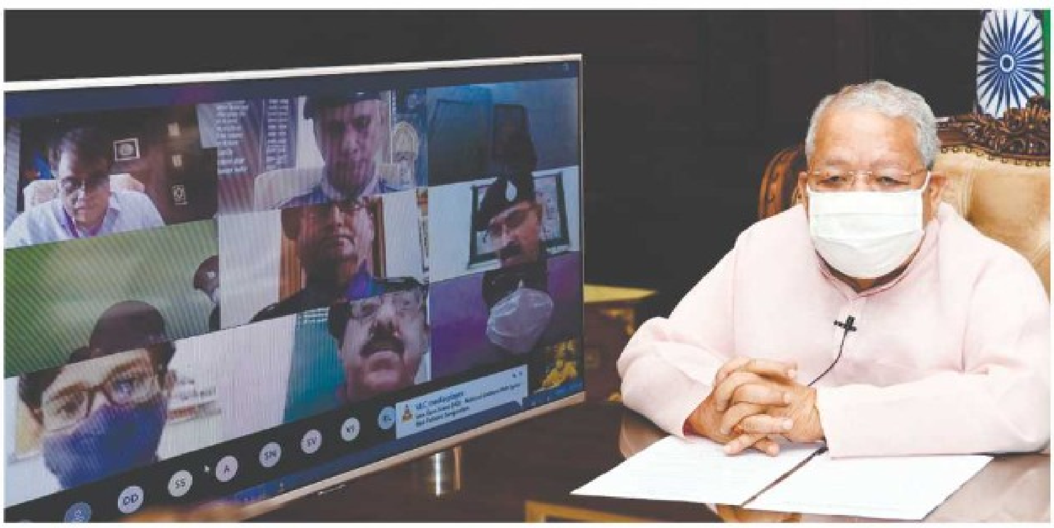

राज्यपाल श्री मिश्र ने वीसी के माध्यम से जुड़े स्काउट–गाइड पदाधिकारियों से संभागवार संवाद किया तथा उनके द्वारा कोविड–19 महामारी के दौर में किए जा रहे सेवा कार्यों और जागरुकता गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कोविड संक्रमितों को अस्पतालों में बेड उपल धता तथा टीकाकरण के लिए किये जा रहे प्रयासों का भी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि स्काउट–गाइड ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह–समारोहों के दौरान मास्क लगाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करें तथा जन चेतना के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि संगठन से जुड़े युवा जन अनुशासन पखवाड़े में लोगों को कोविड प्रोटोकॉल के उपयुक्त व्यवहार करने के लिए प्रेरित करें, यह सुनिश्चित करें कि लोग बिना कार्य घर से बाहर नहीं निकलें, आपस में सुरक्षित दूरी बना कर रखें तथा कोई व्यक्ति बिना मास्क दिखाई दे तो उसे मास्क लगाने के लिए अनुरोध करें।

राज्यपाल श्री मिश्र ने राजस्थान स्काउट–गाइड को सेवा कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिलने पर बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की पहली लहर में इस संगठन ने मास्क, भोजन व खाद्य सामग्री के पैकेट वितरण के साथ स्थानीय प्रशासन के साथ

मिलकर सेनेटाइजेशन में महती भूमिका निभाई है। कोरोना संकट के मौजूदा दौर में भी स्काउट–गाइड इसी प्रकार के राहत एवं सेवा कार्यों से आमजन में अपने प्रति विश्वास को बनाए रखें।

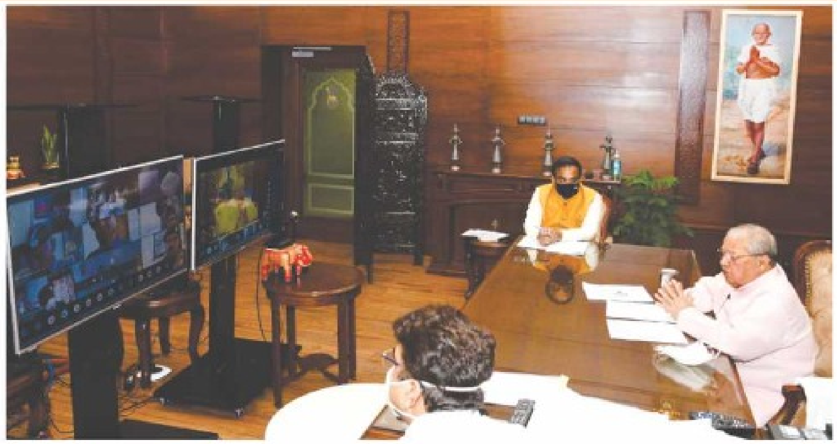

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि युवा पीढ़ी को सुसंस्कारित बनाने, उनमें सेवा भाव जगाने तथा चुनौतियों का मुकाबला करने में उन्हें सक्षम बनाने के लिए राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड संगठन महत्वूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने नेशनल ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत प्रदेश के 16 हजार 600 विद्यालयों में इको क्लब स्थापित करने, पशु–पक्षियों के चारा–पानी की व्यवस्था के लिए किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

ऑनलाइन बैठक के दौरान राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड संगठन के चीफ स्टेट कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने उपस्थित पदाधिकारियों को संविधान की उद्देश्यिका तथा मूल कर्तव्यों का वाचन भी करवाया।

समीक्षा बैठक में राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविंद राम जायसवाल सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ऑनलाइन उपस्थित थे।

कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए सेवा कार्य करें स्काउट-गाइड : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदेश के स्काउट-गाइड संगठन द्वारा कोविड काल में जन सेवा एवं कोरोना से बचाव के लिए किए जाने वाले उत्कृष्ट कार्यों के लिए चल बैजंती शील्ड प्रदान किए जाने की घोषणा की है।

कोरोना को नियंत्रित ... को प्रशासन के साथ ... करें स्काउट गाइड : ...

जयपुर | राज्यपाल कलराज ... प्रदेश के स्काउट-गाइड संगठ... कोविड काल में जन सेवा एवं ... से बचाव ... किए जाने ... उत्कृष्ट क... लिए चल ... शील्ड प्रदा... जाने की घोषणा की है। राज्यपाल मिश्र ने गुरुवार को राजभवन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की समीक्षा बैठक को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह घोषणा की। यह शील्ड लगभग 1.50 लाख स्काउट गाइड को दी जाएगी। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर को नियंत्रित करने के लिए स्काउट गाइड स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चिकित्सा विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा कार्य करें।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की ऑनलाइन समीक्षा बैठक

कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर सेवा कार्य करें स्काउट-गाइड : राज्यपाल

भारत स्काउट एवं गाइड की समीक्षा बैठक में बोले राज्यपाल मिश्र

कोविड काल में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दी जाएगी चल बैजंती शील्ड

पंजाब केसरी/जयपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की ऑनलाइन समीक्षा बैठक

...ा महामारी को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ...थ मिलकर सेवा कार्य करें स्काउट-गाइडः मिश्र

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की ऑनलाइन समीक्षा बैठक

कोविड काल में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान की जाएगी चल बैजंती शील्ड

कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर सेवा कार्य करें स्काउट-गाइड- राज्यपाल

...विड काल में उत्कृष्ट कार्यों के ... मिलेगी 'चल बैजंती शील्ड'

फीडबैक सरकार तक पहुंचाने का आह्वान

सेवा कार्यों और जागरूकता गतिविधियों की ली जानकारी

राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान प्रथम

कोरोना महामारी के दौरान की गई सेवाओं में राजस्थान अव्वल

राजस्थान प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड ने कोरोना महामारी के दौरान प्रदान की गई उल्लेखनीय सेवाओं और समाज को प्रेरित करने में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राजस्थान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय संगठन के समस्त स्काउट्स गाइड्स की मेहनत एवं निःस्वार्थ सेवाओं को देते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर जे.सी. महान्ति ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए किये जा रहे कार्यों व सेवाओं की सराहना की।

भारत स्काउट व गाइड के राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा सभी राज्यों द्वारा कोविड–19 महामारी के दौरान किये गये कार्यों व सेवाओं की समीक्षा करते हुए राष्ट्र स्तरीय पुरस्कारों की घोषणा की गई। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड को प्रदेश के स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा इस दौरान किये गये उल्लेखनीय कार्यों, सेवाओं और जन–जागृति के परिणामस्वरूप प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। पुरस्कार स्वरूप 50,000/–रू. नकद राशि दी जायेगी।

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति ने दी बधाई-

इस अवसर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति ने बताया कि गत मार्च माह से प्रदेश के 20 हजार से अधिक स्काउट्स गाइड्स ने स्व प्रेरित भाव से कोरोना योद्धा के रूप में अनेक कार्य किये। 7 लाख से अधिक मास्क एवं 11 लाख से अधिक भोजन व खाद्य सामग्री के पैकेट जरूरतमंदों को वितरित किये। स्थानीय प्रशासन के साथ 17 लाख से अधिक स्थानों को सेनेटाइज किया तथा सोशल डिस्टेंसिंग, हाथ धोने, मास्क पहनने इत्यादि के प्रति जन–जागरूकता लाने के दृष्टि से 30 हजार से अधिक रैलियां निकाली। स्काउट गाइड ने 58 लाख से अधिक राशि एकत्रित कर मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करवाई। हमारे स्काउट्स गाइड्स ने इस दौरान पशु–पक्षियों का भी पूरा ध्यान रखा और उनके आहार व पानी की समूचित व्यवस्था की। इसी के परिणामस्वरूप राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड ने उल्लेखनीय सेवाओं और समाज को प्रेरित करने में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मैं प्रदेश के सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर व कार्यकर्ताओं को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई व धन्यवाद अर्पित करता हूँ।

श्री महान्ति ने कहा कि वर्तमान में कोविड–19 के तहत प्रदेश में किये गये कार्यों की राष्ट्रीय मुख्यालय के पदाधिकारियों द्वारा प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान जहाँ एक ओर जनमानस डरा हुआ भयभीत महसूस कर रहा था वहीं दूसरी ओर हमारे प्रदेश के स्काउट्स गाइड्स ने खुद की परवाह न करते एवं पूर्ण सावधानी बरतते हुए प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में अपनी सेवाएं दी तथा लोगों को इसके प्रति सजग व जागरूक करने का कार्य किया।

वर्तमान में प्रदेश स्काउट गाइड संगठन में राजस्थान के आईएएस अधिकारी श्रीमती मुग्धा सिन्हा, श्री सांवरमल वर्मा, डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, श्रीमती रुकमणी सिहाग एवं एमजेआरपी विश्व विद्यालय के कुलपति श्री निर्मल पंवार अपनी मानद सेवाएं दे रहे हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश स्काउट गाइड संगठन प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सेवाओं के लिए अपनी पहचान कायम किए हुए हैं। आपदा निर्वाचन कोविड इत्यादि के क्षेत्र में प्रदेश के स्काउट गाइड ने अपनी सेवाएं देते हुए समाज एवं प्रशासन को हर संभव सहयोग किया है। हाल ही में कोविड–19 के लिए जन आंदोलन विषयक वेबीनार को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत ने स्काउट की सेवाओं की सराहना की।

राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान स्काउट गाइड ने जीता प्रथम स्थान

कोरोना महामारी के दौरान की गई सेवाओं में राजस्थान अव्वल

कोरोना के दौरान की गई सेवाओं में राजस्थान अव्वल

दैनिक भास्कर जयपुर 04-02-2021

राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान स्काउट गाइड रहा फर्स्ट

जेसी महांति ने दी बधाई

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान स्काउट गाइड का प्रथम स्थान

राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान स्काउट गाइड ने जीता प्रथम स्थान

करियर गाइडेंस श्रृंखला का हुआ शुभारम्भ

वेबिनार में विद्यार्थियों ने जाने अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालयों में शिक्षण के अवसर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में जवाहर कला केन्द्र की महानिदेशिका व शासन सचिव, कला साहित्य व संस्कृति विभाग एवं स्टेट कमिश्नर (रेंजर) श्रीमती मुग्धा सिन्हा की पहल पर 10 जुलाई, 2021 को करियर गाइडेंस श्रृंखला की शुरूआत हुई, जिसमें वेबिनार के माध्यम से शिक्षण एवं रोजगार के विभिन्न अवसरों के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

10 जुलाई को आयोजित हुई श्रृंखला की पहली कड़ी में श्रीमती सिन्हा द्वारा मुंबई स्थित ओबेराय इंटरनेशनल स्कूल के मानविकी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं लेखिका श्रीमती अनु मिश्रा एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर श्री अमित अहीर जो कि सीआरपीएफ में सेवारत थे परंतु स्पोर्ट्स में अत्यधिक रूचि के कारण आपने इस नौकरी को छोड़ा और आज ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल में स्पोर्ट्स डायरेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, को आमंत्रित किया गया। श्रीमती मिश्रा न केवल अध्यापन से जुड़ी हुई हैं बल्कि एक लेखिका भी है और आज वे देश के बच्चों को कोरोना काल में स्किल अपडेशन की महत्वता को समझाते हुए करियर काउंसलिंग के माध्यम से दिशा प्रदान कर रही हैं। इन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालयों में अध्यापन में करियर के बारे में प्रदेश के स्काउट्स गाइड्स रोवर रेंजर्स को विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस दिशा में अग्रसर होने के लिए आवश्यक योग्यता एवं तैयारी की जानकारी प्रदान की।

वेबीनार में प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 100 रोवर रेंजर स्काउट गाइड विद्यार्थियों ने झूम के माध्यम से एवं फेसबुक व यूट्यूब लाइव के माध्यम से अनेक विद्यार्थियों तथा उनके परिजनों ने सहभागिता की और अंतरराष्ट्रीय विद्यालय में शिक्षण के अवसर पर विस्तृत जानकारी विषय विशेषज्ञों से जानी। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को ना केवल शिक्षण प्राप्त करने अपितु इस क्षेत्र में शिक्षक के रूप में रोजगार के अवसर के बारे में भी जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों द्वारा अपनी जिज्ञासा जाहिर करते हुए अनेक प्रश्न पूछे गए जिनका विशेषज्ञों ने सरल भाषा में जवाब देते हुए उन्हें आवश्यक जानकारी दी और यह भी बताया कि इस क्षेत्र में साधारण परिवार से निकलकर अपना मुकाम पाया जा सकता है जिसके लिए सिर्फ संकल्प व आवश्यक योग्यता के साथ सही दिशा में अग्रसर होने की आवश्यकता है।

वेबीनार के प्रारंभ में प्रदेश स्काउट गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (से.नि.) श्री जे. सी. महांति ने श्रीमती मुग्धा सिन्हा एवं विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए कहा कि कोविड–19 के विकट दौर में विद्यार्थियों में विशेष रूप से ग्रामीण परिवेश के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों में सकारात्मकता लाने एवं उन्हें सही दिशा–निर्देश देने के उद्देश्य से करियर गाइडेंस की श्रृंखला प्रारंभ कर उन्हें विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करना अत्यंत आवश्यक व लाभकारी है एवं उनके भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

श्रीमती सिन्हा ने बताया कि करियर गाइडेंस की श्रृंखला में प्रत्येक माह वेबीनार के माध्यम से विभिन्न विषयों एवं क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त विषय विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। इसके तहत साइंस, केमिस्ट्री, आर्किटेक्चर, फुटवियर डिजाइनिंग, कला के विभिन्न विषयों, फॉरेंसिक साइंस, डिफेंस मिलिट्री स्ट्रेटजी सहित नए–नए कोर्सेज एवं नए आयामों में विद्यार्थियों का क्या भविष्य हो सकता है, के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। आपने बताया कि आज के विशेषज्ञों ने प्रस्ताव दिया है कि यदि कोई बच्चे अंतरराष्ट्रीय स्कूल में शिक्षण के क्षेत्र में करियर गाइडेंस के लिए हैंड होल्डिंग या मेंटरिंग चाहते हैं तो उन्हें वे स्वयं मेंटर करेंगे, जिससे वे आगे चलकर इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ सके अथवा पढ़ा सकते हैं। यह विद्यार्थियों के लिए बहुत ही बड़ा अवसर है।

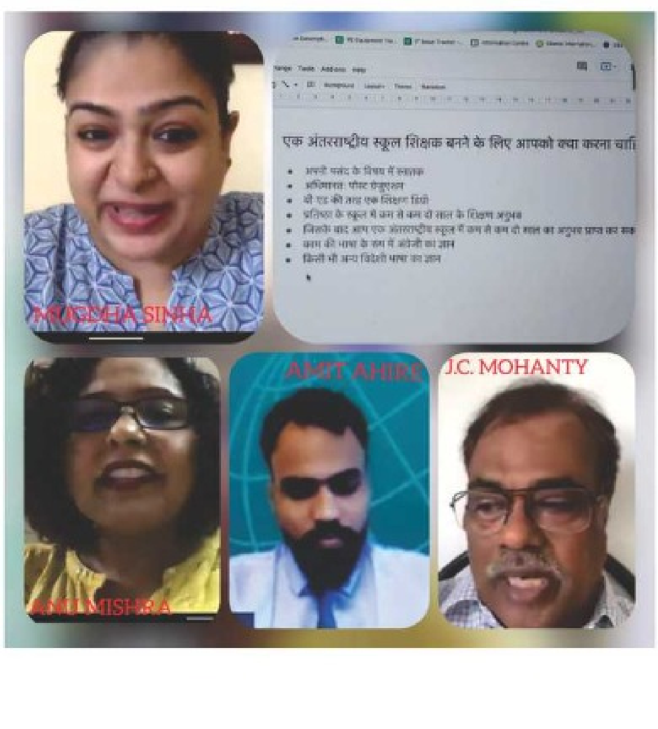

वेबिनार के अंत में प्रदेश के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे. सी. महांति एवं स्टेट कमिश्नर रेंजर श्रीमती मुग्धा सिन्हा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी एवं आमंत्रित विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। प्रदेश स्काउट गाइड की सी. ओ. गाइड श्रीमती नीता शर्मा ने वेबीनार का संचालन किया।

प्रथम ऑनलाइन ग्लोबल कल्चरल जम्बूरी श्रीलंका

विश्व एकता एवं भाई चारे की मिशाल के रूप में एक बेहतर दुनिया के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के चिन्तन के साथ ग्लोबल कल्चरल जम्बूरी श्रीलंका में दिनांक 16 से 18 जुलाई, 2021 तक आयोजित हुई, जिसमें सीकर जिले के 43 स्काउट, गाइड, रोवर, रेन्जर, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टिन, रेन्जर लीडर ने बसन्त कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट एवं रितु शर्मा सी.ओ. गाइड के मार्गदर्शनानुसार भाग लिया एवं 25 तरह की गतिविधियों जिमसें विभिन्न देशों का पहनावा, खानपान, रहन सहन, ऐतिहासिक स्थलों का वर्चुअल भ्रमण, प्लास्टिक टाईड टर्नर, विभिन्न वैश्विक विषयों पर वेबिनार, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय त्यौहार, ग्लोबल क्लचर फोरम, सांस्कृतिक प्रदर्शन, कैम्पफायर, रीति–रिवाज एवं गहने, भोजन बनाना, उद्‌घाटन एवं समापन समारोह, टॉक शो, एसडीजी वेबिनार सहित अनेक गतिविधियों में भाग लिया एवं जानकारी प्राप्त की तथा पूरे विश्व के साथ मनोरंजन कार्यक्रमों में सहभागिता कर राज्य से सर्वाधिक संख्या में भाग लिया।

सीकर जिले से भाग लेने वालो में बसन्त कुमार लाटा, रितु कुमारी शर्मा, पवन कुमार शर्मा, राघव शर्मा, गरिमा शर्मा, विकास पलसानियाँ, छीतरमल वर्मा, निक्की जांगिड़, राजकीय विज्ञान महाविद्यालय सीकर की रेन्जर लीडर डॉ सुनिता सिंह, पंकज कुमारी, हिमानी शर्मा, सीमा कुड़ी, माया गुर्जर, ममता, किरण कुमारी बलाई, माया मेहरा, आरती कुमावत, मधुमिता बाटड, आरती सैनी, गरिमा जांगिड़, लक्ष्मी कुमावत, विक्रम सैनी, सुमित स्वामी, रामप्रसाद भास्कर, सुरज मल भास्कर, सचिन शर्मा, नवीन कुमार, रोतिन जोगानी, अतुल्या कृष्णा, मोहन लाल सुखाड़िया, भारती मिश्रा, अलिताब धोबी,

फरहान, आदिल खान, गुलाब कुमावत, हिमांशु जाखड़, अनिल, सुमित भार्गव, मंयक शर्मा, योगेश कुमावत, आँचल कुमावत, निखिल वर्मा, शुभम वर्मा सहित अनेक सदस्य रहे।

जम्बूरी में सफलता पूर्वक भाग लेने पर जयपुर मण्डल एवं जिला सीकर के पदाधिकारियों ने ग्रुप को अनुकरणीय कार्य करने पर बधाई दी।

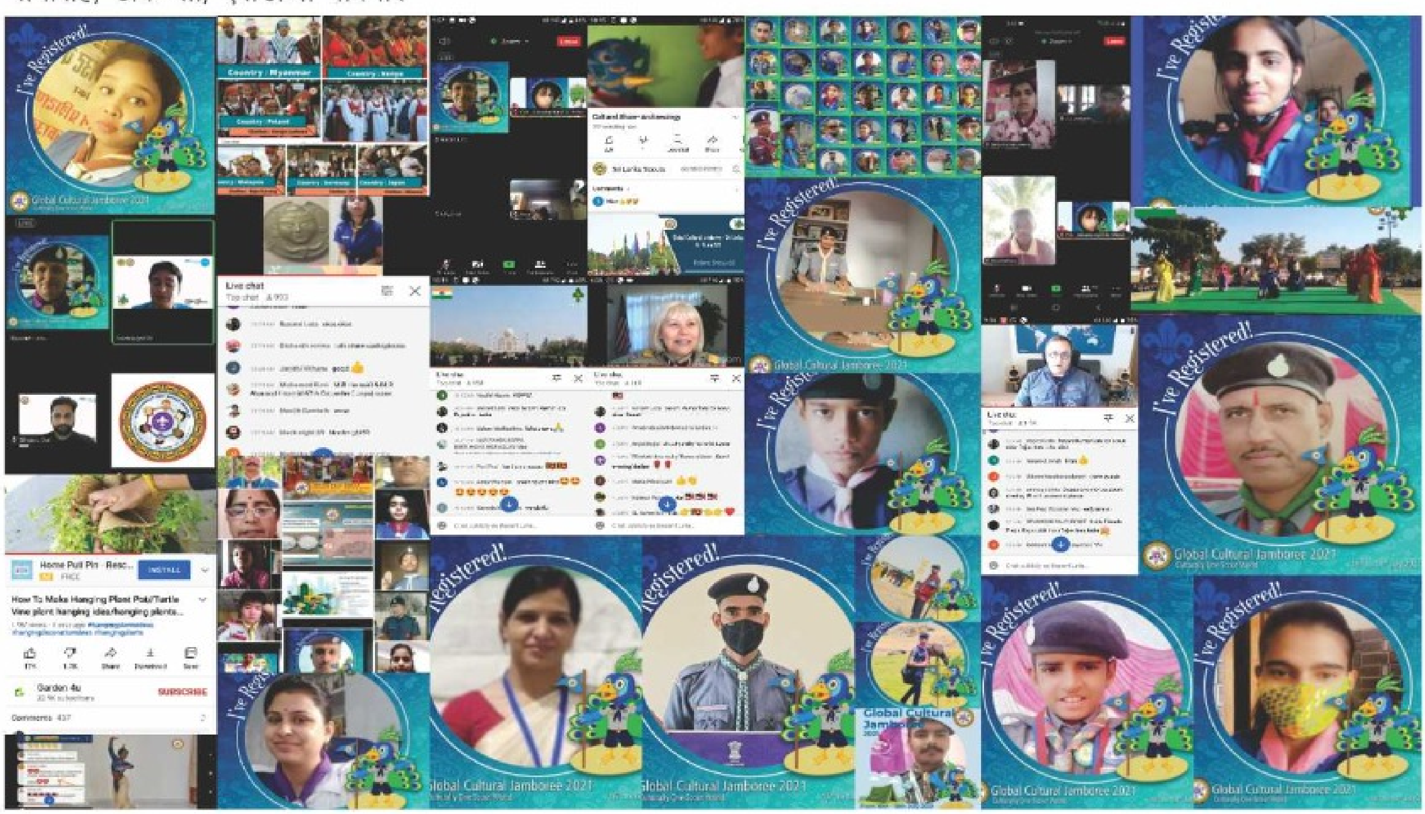

कोविड-19 (कोरोना वायरस) से बचाव एवं उपचार
डॉक्टर्स के साथ वेबिनार पर वार्ता एवं चर्चा

प्रदेश संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्रीमान जे.सी. महान्ति की अध्यक्षता में कोविड–19 से बचाव व उपचार एवं बच्चों को क्या–क्या सावधानी बरतनी चाहिए के संबंध में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, सह प्राचार्य डॉक्टर्स, होम्योपैथी, आयुर्वेद चिकित्सकों के साथ मण्डलवार वेबिनार आयोजित कर वार्ता एवं चर्चा की गई। वेबिनार में मण्डल के प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर (स्काउट / गाइड), मण्डल के पदाधिकारी एवं राज्य के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

वेबीनार में मुख्य रूप से मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, सीनियर डॉक्टर्स, आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा कोविड–19 के लक्षण, बचाव एवं उपचार से संबंधित जानकारी दी गई। डॉक्टर्स ने सभी के सवालों के जबाव भी दिये और उनकी जिज्ञासाओं का निवारण भी किया।

कोविड–19 से संबंधित निम्नानुसार वेबिनार का आयोजन किया गया –

क्र.सं.	मण्डल	दिनांक	नाम डॉक्टर / वार्ताकार	संभागी संख्या
1	जोधपुर	09 मई, 2021	1. डॉ. शैतान सिंह राठौड – प्रिंसीपल एण्ड कन्ट्रोलर मेडिकल कॉलेज, जोधपुर 2. डॉ. बलवन्त मण्डा – CMHO जोधपुर 3. डॉ. गोपाल नारायण शर्मा– वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, आयुर्वेद विभाग, जोधपुर 4. डॉ. मुकेश मोहन दाधीच– चिकित्सा अधिकारी होम्योपैथिक, कोटा	60
2	जयपुर	18 मई, 2021	1. डॉ. अजय माथुर– आचार्य मेडिकल कॉलेज, जयपुर 2. डॉ. रमन शर्मा– आचार्य मेडिकल यूनिट–III, मेडिकल कॉलेज, जयपुर 3. डॉ. मुकेश मोहन दाधीच– चिकित्सा अधिकारी होम्योपैथिक, कोटा	96
3	बीकानेर	19 मई, 2021	1. डॉ. सुकुमार कश्यप– मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीकानेर 2. डॉ. एल.के. शर्मा– सेवानिवृत PMO झुंझुनू 3. डॉ. रविन्द्र सिंह – प्राचार्य आयुर्वेद विश्व भारती गांधी विधा मंदिर, सरदारशहर	98
4	भरतपुर	21 मई, 2021	1. डॉ. रमन शर्मा– आचार्य मेडिकल यूनिट–III, मेडिकल कॉलेज, जयपुर 2. डॉ. रूप सिंह – MBBS, MD सिटी नर्सिंग होम, भिवाड़ी 3. डॉ. भगवान सहाय शर्मा– प्राचार्य आयुर्वेद महाविद्यालय, नई दिल्ली 4. डॉ. चिराग गुप्ता– होम्योपैथिक, भरतपुर 5. डॉ. सोनिया एवं डॉ वीरेन्द्र अग्रवाल– प्राकृतिक चिकित्सा, योग प्राणायाम स्वास्थ्य मंदिर, भरतपुर	95
5	कोटा	24 मई, 2021	1. डॉ. विजय सरदाना– प्रिंसीपल मेडिकल कॉलेज, कोटा 2. डॉ. सौरभ चित्तौड़ा– Assistant Professor राजकीय मेडिकल कॉलेज, कोटा 3. डॉ. नित्यानन्द गौतम– आयुर्वेद चिकित्सक वर्धमान ऑपन यूनिवर्सिटी, कोटा 4. डॉ. मुकेश मनमोहन दाधीच– चिकित्सा अधिकारी होम्योपैथिक, कोटा 5. डॉ. रोहित दाधीच– कोटा हार्ट हॉस्पिटल, कोटा 6. डॉ. रितेश खण्डेलवाल– नेच्यूरोपैथिक, स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलूरू	86
6	उदयपुर	27 मई, 2021	1. डॉ. लखन पोसवाल– प्रिंसीपल RNT मेडिकल कॉलेज, उदयपुर 2. डॉ. शोभा लाल औदिच्य – आयुर्वेदिक चिकित्सक 3. प्रो. अनन्त प्रकाश गुप्ता– होम्योपैथिक 4. डॉ. शुभा सुराना– योगा	84

7	अजमेर 29 मई, 2021	1. डॉ. वी.बी. सिंह –प्राचार्य मेडिकल कॉलेज, अजमेर 2. डॉ. हंसराज सामरिया– प्राचार्य सेन्टर जेल अजमेर 3. डॉ. मनीष वर्मा–आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, टोंक 4. डॉ. मुकेश दाधीच– होम्योपैथिक 5. डॉ. के.के. शर्मा– चिकित्सा अधिकारी, अजमेर 6. डॉ. पार्थ पाण्डे– नागौर 7. डॉ. एस.पी. त्रिपाठी– भीलवाडा आयुर्वेद चिकित्सा 8. डॉ. प्रीति चौधरी– Superintendent Central Jail, Ajmer (योग एवं मेडिटेशन पर वार्ता) 9. डॉ. ज्योत्सना रंगा– अजमेर	89	
	महा योग			608

मुख्य रूप से डॉक्टर्स ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए क्या–क्या करना चाहिए, से संबंधित विस्तार से निम्नांकित जानकारी प्रदान की–

1. Covid Appropriate Behaviours की पालना जरूरी है।
   1. मास्क पहने
   2. शारीरिक दूरी का पालन करें
   3. हाथ की स्वच्छता बनाए रखें

   कोविड प्रोटोकॉल की पालना के लिए Covid-19 SMS जरूरी हैः–

   S - Sanitizer

   M - Mask

   S - Social Distancing
2. कोरोना वैक्सीन अवश्य लगवायें, वैक्सीन आपके शरीर को किसी बीमारी, वायरस या संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है।
3. विटामीन–सी के कैप्सूल लेवें।
4. डायबिटीज को कंट्रोल रखें।
5. आपका ऑक्सीजन लेवल चैक करें। ऑक्सीजन लेवल 90% से कम होने पर ही हॉस्पीटल में जावें। इस प्रकार कोविड–19 के बचाव एवं उपचार से संबंधित अनेक प्रकार की जानकारी दी गई।

उक्त वेबिनार्स की सभी ने सराहना की और कहा की यह एक अच्छा नवाचार है, जिससे प्रदेश स्तर पर बालक–बालिकाओं और स्काउटर गाइडर को कोरोना महामारी के संबंध में आवश्यक जानकारी मिली एवं इसके लक्षण, बचाव एवं उपचार से संबंधित जिज्ञासाओं

डोडुआ (सिरोही) के स्काउट्स का हुआ सम्मान

केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार तथा राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नेशनल ग्रीन कोर योजना के तहत सिरोही स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय माध्यमिक विद्यालय डोडुआ के विद्यार्थियों द्वारा जल एवं जैव विविधता सस्टेनेबिलिटी पर आधारित सामुदायिक जागरूकता प्रोजेक्ट तैयार करने पर राष्ट्रीय स्तर की बीस श्रेष्ठ टीमों में चयन हुआ।

डोडुआ विद्यालय को कोरोना गाइडलाइन के तहत आयोजित राष्ट्रीय स्तर के वर्चुअल कार्यक्रम में विप्रो के मुखिया रिशद प्रेमजी द्वारा अर्थियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड प्राप्त होने पर प्रधानाचार्य सोनू मिस्त्री, स्काउट प्रभारी सरुपाराम माली, स्काउट कमलेश प्रजापत, शक्ति सिंह, परबत मेघवाल, दानाराम देवासी और दिलीप माली को

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल एवं एडीएम गीतेशश्री मालवीय द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने टीम का उत्साहवर्धन किया।

राज्य मुख्य आयुक्त की उदयपुर विज़िट

प्रशिक्षण केन्द्र स्थित ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण पर की वार्ता

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, उदयपुर मंडल का स्टेट चीफ कमिश्नर जे.सी महान्ति ने उदयपुर प्रवास के दौरान उदयनिवास स्थित प्रशिक्षण केन्द्र का अवलोकन किया। यहाँ स्थित पुराने महल के ऐतिहासिक महत्व को बताते हेतु कहा कि इस धरोहर का रखरखाव बहुत जरूरी है और इसके उपयोग एवं संरक्षण हेतु एक प्लान तैयार किया जाना अत्यावश्यक है। प्रशिक्षण केन्द्र स्थित आधारभूत सुविधाओं में बढ़ोतरी हेतु इसको विकसित किया जाना आवश्यक है। मण्डल पदाधिकारियों ने यहाँ आयोजित कार्यक्रम में श्री महान्ति के कर–कमलों से स्काउट गाइड को प्रमाण पत्र दिलवा कर सम्मानित किया।

विजिट के दूसरे दिन महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल में संचालित हो रही स्काउट गाइड प्रवृत्ति का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल संजय दत्ता ने विद्यालय में संचालित हो रही स्काउट गाइड की सभी शाखाओं की उपलब्धियों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से अवगत करा विद्यालय के स्काउट गाइड क्लब का निरिक्षण कराया। इस मौके एमएमपीएस के सुबोध शर्मा, मनोज आमेटा, कल्पना धर्मावत, सना खानम, कुँज बिहारी मेनारिया, महेंद्र सिंह झाला, पूनम राठौड़, रवि पोस्टर ने स्काउट गाइड की अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय सहभागिता की लॉग बुक एवं अर्जित उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

बतौर मुख्य अतिथि जे.सी. महान्ति ने मेवाड़ राजघराने के इस विद्यालय का निरीक्षण करते हुए कहा कि उदयपुर में महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल स्काउट गाइड के क्षेत्र में बहुत ही अनुकरणीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं से जुड़ा हुआ है और आशा है कि इसी प्रकार स्काउट गाइड प्रवृत्ति सदैव उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर होगी।

इस अवसर पर 62 स्काउट गाइड के सम्मान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए उदयपुर मंडल के मण्डल चीफ कमिश्नर एवं आयुक्त जनजाति विभाग जितेंद्र कुमार उपाध्याय ने बताया कि उदयपुर संभाग में श्रेष्ठ विद्यालयों में शुमार एमएमपीएस स्कूल है, जहां की स्काउट गाइड प्रवृति अन्य विद्यालयों के लिए भी उदाहरण पेश करती है।

सहा.राज्य संगठन आयुक्त बाबू सिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस विद्यालय में कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर की सभी प्रवृत्तियां संचालित है, जिसके कारण संपूर्ण विद्यालय स्काउट गाइड की श्रेणी में आता है। इस मौके पर 62 प्रतिभागियों को कोविड में अपनी सेवाएं देने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिव सैमुअल फ्रांसिस, बख्तावर सिंह देवड़ा, किशनलाल सालवी, मनीषा दीक्षित, तुलसी मौर्य, शमा सोलंकी, उमेश खत्री तथा राजसमंद से उपस्थित रहे। भगवती साहू द्वारा अतिथि का स्वागत तथा पंकज जानी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल में संचालित गतिविधियों का अवलोकन करते हुए राज्य मुख्यायुक्त जे.सी. महान्ति, मण्डल मुख्यायुक्त जितेन्द्र कुमार उपाध्याय एवं अन्य अधिकारीगण

राज्य मुख्य आयुक्त की बीकानेर विज़िट

बी.एस.एफ. अधिकारी से स्काउटिंग के संदर्भ में की वार्ता। बी.एस.एफ. के माध्यम से स्काउट्स गाइड्स को साहसिक गतिविधियों से जोड़ने का है प्रयास।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्यायुक्त व अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर जे.सी. महान्ति एवं स्टेट कमिश्नर (कब) सांवरमल वर्मा आईएएस ने बीकानेर विज़िट के अवसर पर बीकानेर मण्डल पदाधिकारियों के साथ स्काउट गाइड के संवर्द्धन एवं विस्तार पर चर्चा की। मण्डल मुख्यायुक्त डॉ विजयशंकर आचार्य ने स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। हैडक्वार्टर्स कमिश्नर एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर, बीकानेर ए.एच. गौरी ने स्काउट गाइड गतिविधियों के प्रोत्साहन एवं विकास पर परिचर्चा की।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेन्द्रसिंह भाटी ने बीकानेर की संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि तथा कोविड के विरूद्ध जन आन्दोलन के दौरान किये गये कार्यों से अवगत कराया।

गजनेर पैलेस बीकानेर में राज्य मुख्यायुक्त ने बीकानेर बीएसएफ डीआईजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया तथा बीएसएफ के माध्यम से स्काउट गाइड को साहसिक गतिविधियों से जोड़ने की बात भी कही। राज्य मुख्यायुक्त ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन समाज सेवा के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। स्काउट गाइड को देश सेवा एवं समाज सेवा के हर अवसर का सकारात्मक उपयोग करना चाहिये।

इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी कनिष्क कटारिया भी उपस्थित रहे।

साहसिक गतिविधियों का किया निरीक्षण

राज्य मुख्यायुक्त जे.सी. महान्ति एवं स्टेट कमिश्नर (कब) सांवरमल वर्मा ने बीकानेर मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र एवं वॉल क्लाइम्ब आदि साहसिक गतिविधियों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं रोवर, रेंजर, स्काउट व गाइड को संबोधित करते हुए राज्य मुख्यायुक्त जे.सी. महान्ति ने कहा कि राजस्थान स्काउट गाइड की उपलब्धियों के साथ स्काउट गाइड संगठन ने राजस्थान का नाम हर क्षेत्र में रोशन किया है। निष्ठावान कार्यकर्ताओं के कार्य से ही इस सत्र में राष्ट्रीय स्तर पर 12 शील्ड्स प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ। स्काउट गाइड को देश सेवा एवं समाज सेवा के हर अवसर का सकारात्मक उपयोग करना चाहिये।

स्टेट कमिश्नर सांवरमल वर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि युवाओं के बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था हमारी जिम्मेदारी है, बीकानेर का यह प्रशिक्षण केन्द्र युवाओं के प्रशिक्षण में बेहद प्रभावी है। बीकानेर बीएसएफ के कमाण्डेंट स्टॉफ ऑफिसर राजेन्द्र सिंह ने कहा कि स्काउट

गाइड से युवाओं में राष्ट्र के प्रति सेवा से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ए.एच. गौरी ने राज्य मुख्यायुक्त एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा कि बीकानेर स्काउट गाइड की जागरूकता कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मण्डल मुख्यायुक्त डॉ विजयशंकर आचार्य ने स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया और बीकानेर मण्डल द्वारा आयोजित गतिविधियों एवं आगामी कार्य योजना को प्रस्तुत किया। सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेन्द्रसिंह भाटी ने बीकानेर द्वारा कोविड विरूद्ध जन आन्दोलन के दौरान की गई गतिविधियों से अवगत कराया।

समारोह के प्रारम्भ में सहा.स्टेट कमिश्नर (गाइड) मिथलेश शर्मा ने अतिथियों को बुके भेंट किये तथा अन्त में अतिरिक्त निदेशक (माध्य.शिक्षा) रचना भाटिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि आगामी समय में संभाग में बालिकाओं को गाइड गतिविधि से जोड़कर लाभान्वित किया जायेगा।

इस अवसर पर मण्डल सचिव देवानन्द पुरोहित, सहायक राज्य संगठन गाइड संतोष निर्वाण, सी.ओ. गाइड ज्योतिरानी महात्मा, सहा.लीडर ट्रेनर घनश्याम स्वामी, सुगनाराम चौधरी, स्काउटर डॉ विनोद चौधरी, प्रभूदयाल गहलोत, चंचल चौधरी, सुरेन्द्र विजय, अंजूमन आरा, अशोक सक्सेना एवं रोवर रेंजर स्काउट गाइड उपस्थित रहे। सी.ओ. स्काउट जसवन्तसिंह राजपुरोहित ने कार्यक्रम का संचालन किया। इससे पूर्व राज्य मुख्यायुक्त ने मण्डल मुख्यालय बीकानेर का निरीक्षण भी किया।

स्काउट लखपत सिंह को प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ कम्युनिटी का कांस्य पदक

प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ कम्युनिटी अवार्ड हेतु नई दिल्ली में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में कोटड़ा के राज.उ.माध्यमिक विद्यालय को पुनः एक राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई हैं। विद्यालय की कक्षा 10 के स्काउट लखपत सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धा में सामुदायिक जल योजना पर केस स्टडी तैयार कर सबमिट की। वर्चुअल प्रेजेंटेशन के बाद 22 मार्च को घोषित परिणाम में लखपत सिंह के प्रोजेक्ट को देश भर में कांस्य पदक से नवाजा गया। छात्र ने स्काउटर व्याख्याता नरेन्द्र सिंह रावत के मार्गदर्शन में उक्त केस स्टडी तैयार की थी। विद्यालय व छात्र की इस शानदार उपलब्धि पर प्रधानाचार्य अवधेश शर्मा, अनिल शर्मा, तृप्ति राठौड़, रमेश चंद्र शर्मा, प्रशान्त सरावगी व नरेन्द्र सिंह रावत सहित समस्त विद्यालय परिवार ने हर्ष जताया। विद्यालय विकास समिति व ग्रामवासियों ने बधाई दी व इसे गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

उल्लेखनीय हैं कि गत फरवरी माह में ही कोटड़ा विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर विप्रो अर्थियन पुरस्कार में एक लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में यह विद्यालय जन जागरूकता व विद्यार्थियों में आदत निर्माण के निरंतर प्रयास जारी रखे हुए हैं।

राज्य कार्यकारिणी समिति

राज्य मुख्यायुक्त की अध्यक्षता में लगभग 35 सदस्यों ने की सहभागिता

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के बजाज नगर स्थित राज्य मुख्यालय के सभागार में 21 मार्च, 2021 को राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक स्टेट चीफ कमिश्नर जे.सी. महान्ति आई.ए.एस. (से.नि.) की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा निदेशक सौरभ स्वामी, राज्य कोषाध्यक्ष मनोज जैन एवं संगठन के स्टेट कमिश्नर जी.पी. वर्मा, संदीप पाठक, भूपेन्द्र सिंह, रतन लाल सोनी, सूरज गर्ग, अंजू हर्ष, कविता जैन, सूरभि मिश्रा, रश्मि गोदारा, सहा.स्टेट कमिश्नर बी.एल.मीणा, डॉ. आशीष सिंह, कैलाश पहाड़िया, महेन्द्र मिश्रा, मिथलेश शर्मा, अंजू सिंह, अर्चना बालोठिया, राज्य सचिव आर.एन. भनोत सहित लगभग 25 सदस्य व्यक्तिशः उपस्थित रहे तथा लगभग 10 सदस्य वर्चूअल माध्यम से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री महान्ति ने प्रदेश संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के स्काउट गाइड द्वारा कोरोना के दौरान किये गये सेवा कार्य सराहनीय एवं प्रशंसनीय हैं। इस बाबत प्रदेश संगठन ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। प्रदेश में पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए है। साथ ही प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च अवार्ड सहित सर्वाधिक 12 अवार्ड प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है, जिससे प्रदेश संगठन गौरवान्वित हुआ है।

शिक्षा निदेशक सौरभ स्वामी ने स्काउटिंग गाइडिंग के विकास एवं विस्तार के लिए सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में इसके पंजीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाया जायेगा। श्री स्वामी ने चुनावों के दौरान मतदान केन्द्रों पर स्काउट गाइड द्वारा दी गई सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि इनकी सेवाएं प्रशासन को काफी मददगार साबित हुई है।

स्काउट प्रार्थना के साथ प्रारम्भ बैठक में सर्वप्रथम सभी कार्यकारिणी सदस्यों का परिचय कराया गया। राज्य सचिव आर.एन.भनोत ने पिछली बैठक की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्य कोषाध्यक्ष मनोज जैन ने वित्त समिति की अभिशंसाओं को सदन के समक्ष रखते हुए वार्षिक बजट प्रस्तुत किया।

राज्य संगठन आयुक्त गोपाराम माली ने वर्ष के दौरान अर्जित उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, वहीं राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल ने प्रदेश के प्रशिक्षण केन्द्रों को विकसित करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किये एवं स्काउट आवासीय विद्यालय की स्थिति से अवगत कराया।

बैठक के दौरान प्रदेश स्तर पर पर्यावरण संरक्षण, पॉलीथिन उन्मूलन हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर सहमति दी गई। इस बाबत स्काउट गाइड द्वारा कपड़े के थैले बनाकर आमजन में वितरण की रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा हुई। स्काउट गाइड उप नियमों पर चर्चा की गई, जिसके लिए एक कमेटी बनाते हुए इसके बारे में विस्तृत विचार–विमर्श कर संशोधन प्रस्ताव तैयार करने का निर्णय लिया गया। प्राप्त प्रस्तावों पर समिति गठित कर शीघ्र बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया, जिस पर स्टेट चीफ कमिश्नर जे.सी. महान्ति ने कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी अनेक प्रकार के सुझाव दिये।

अन्त में सभी उपस्थित सदस्यों एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

राज्य स्तरीय रंगोली पेंटिंग प्रतियोगिता-2021

संभागियों के उत्साह एवं रचना की दिखी झलक

कोविड–19 की देशव्यापी महामारी के संकट के संदर्भ में भारत स्काउट व गाइड एवं जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के संयुक्त प्रयास से राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महांति के मार्गदर्शन में कोविड–19 विषय पर राज्य व्यापी रंगोली पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से 711 स्काउट्स व गाइड्स ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के अन्तिम चरण में 78 रंगोली पेन्टिंग्स प्राप्त हुई, जिनमें से 12 उत्कृष्ट संभागियों को प्रत्येक विभाग में प्रथम व द्वितीय स्थान के लिए चयनकर्ताओं ने चयनित किया। सोमवार 01 फरवरी, 2021 को स्काउट गाइड के जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित राज्य मुख्यालय के सभागार में राज्य स्तर पर प्राप्त 78 रंगोली पेंटिंग को सर्वश्रेष्ठ प्रथम व द्वितीय के चयन हेतु प्रदर्शित किया गया। प्रदेश के प्रत्येक जिला एवं संभाग स्तर पर से प्राप्त चयनित रंगोली को राज्य के कला जगत से संबद्ध निम्न प्रबुद्धजन ने प्रत्येक विभाग से प्रथम व द्वितीय स्थान के लिए चयन कर राज्य स्तर पर रंगोली रचियेता की घोषणा की।

1. डॉ. शकुन्तला महावर, व्याख्याता, एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, सांगानेर, जयपुर एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत
2. डॉ. इशरत उल्लाह खान, प्रोफेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय, कला संकाय विभाग

उल्लेखनीय है कि राज्य में 10 लाख से अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स ने गत 10 महिनों में राज्य में लगभग 55 लाख मास्क का वितरण, भोजन एवं रसद सामग्री का वितरण, सेनीटाइजेशन कार्य, रंगोली निर्माण कर जन–जागरण, कोरन्टाईन सेन्टर्स में योगा एवं अन्य कार्यक्रम आयोजन, स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग में सेवाएं प्रदान की, जिसे प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा सराहा गया।

प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता संभागी निम्नानुसार रहे, जिन्हें माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर श्री जे.सी. महान्ति ने बधाई व शुभकामनाएं अर्पित की–

क्र.सं.	विभाग	नाम	स्थान
1.	कब विभाग	अर्हन मुल्तानी, जयपुर	प्रथम
2.	कब विभाग	कार्तिक कालरा, उदयपुर	द्वितीय
3.	बुलबुल विभाग	पलक सिवाग, जयपुर	प्रथम
4.	बुलबुल विभाग	निकिता सिरवी, पाली	द्वितीय
5.	स्काउट विभाग	रौनक बैरवा, सवाई माधोपुर	प्रथम
6.	स्काउट विभाग	जसवन्त बहादुर, चित्तौड़गढ़	द्वितीय
7.	गाइड विभाग	दिक्षिता जांगिड़, पाली	प्रथम
8.	गाइड विभाग	सुहाना, बीकानेर	द्वितीय
9.	रोवर विभाग	महेश पंवार, जोधपुर	प्रथम
10.	रोवर विभाग	राधेश्याम प्रजापत, अलवर	द्वितीय
11.	रेंजर विभाग	गैरी चौधरी, बाड़मेर	प्रथम
12.	रेंजर विभाग	रेवन्ती, बाड़मेर	द्वितीय

समय का दर्शन

21वीं शताब्दी का 21वां वर्ष

ओमप्रकाश सारस्वत
संयुक्त निदेशक (से.नि)
ए-विनायक लोक बाबा
रामदेवजी रोड़
गंगाशहर (बीकानेर)

इक्कीसवीं शताब्दी के शुरूआती बीस वर्ष व्यतीत हो चुके है। बीस वर्ष यानी सदी का पाँचवां भाग। समय की अपनी एक निश्चित चाल एवं निश्चित चक्र है जिसके अनुरूप वह चलता जाता है। न उसे कोई रोक सकता है और न ही इसकी चाल को बदल सकता है। समय का एक–एक पल बेशकीमती है। अतः उसका सदुपयोग किया जाना चाहिए। समय का उचित प्रबन्धन कर चलने वालों के लिए समय की कोई कमी नहीं है। वे सारे काम भी कर लेते हैं और तसल्ली में भी दिखाई देते हैं। समय का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। जो समय का आदर करते है, समय उनको फल देता है। समय का मूल्य नहीं पहचानने वालों के लिए हर समय ''समय'' की कमी रहती है।

समय को धन कहा गया है– Time is Wealth धन का दूसरा नाम समृद्विहैं धन से समृद्वि, समृद्वि से साधन और साधनों से सुख मिलता है। सब सुखी रहना चाहते हैं इस प्रकार सुख के मूल में समय है सही समय पर सही काम करना पड़ता है अन्यथा समय तो चला जाता है और पछतावा रह जाता है। गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरितमानस में लिखते हैः–

का बरषा जब कृषि सुखाने।
समय चूक पुनि का पछिताने।।

समय चक्र और उसकी गति के साथ लय मिलाकर चलने वालों के लिए समय वरदायी होता है। जो समय की प्रकृति को समझ कर उसे अनेदखा करते हैं, उन्हे दुखः और वेदना झेलनी पड़ती है। थोडा सा समय और मिल जाता या मेरे तो समय कम रह गया जैसे तर्क देने वाले उपहास के पात्र भी बनते हैं। राजस्थानी में एक कहावत है ''हार हाण अर जग हंसाई।'' अर्थात स्वयं को हानि और ऊपर से मजाक। समय और सागर की लहरें किसी का इंतजार नहीं करतीं। जैसे मुह से निकले शब्द वापिस नहीं लिए जा सकते, वैसे ही बीत गए समय को वापिस प्राप्त नहीं किया जा सकता।

समय का दर्शन (Philosophy of Time) बहुत अद्भुत है। त्रिकाल का बहुत सुन्दर उदाहरण है समय चक्र + वर्तमान, भूत और भविष्य। समय की दृष्टि सदैव आगे की ओर रहती हैं। समझने के लिए समय मापन की लघु इकाई सैकण्ड को लेते हैं वर्तमान सैकण्ड भूत में बदलते हुए भावी सैकण्ड वर्तमान में परिणित होते रहते हैं यह सर्वथा सत्य एवं स्वचालित हैं। घडी हमें यह सिखाती है। श्रीमद्भागवतगीता में कहा गया है, ''जीवन न तो भविष्य में है और अतीत में। जीवन तो केवल इस क्षण में है यानी इस क्षण का अनुभव एवं उससे प्रीति व उसका उचित उपयोग ही जीवन है।'' वास्तविक जीवन की यह कितनी खूबसूरत परिभाषा है।

समय के बारे में महात्मा बुद्ध ने बहुत सटीक कहा है ''जो समय बीत गया (भूत), उसके लिए रोना बंद करें, जो समय अभी आया नहीं है (भविष्य), उसके लिए चिन्ता मत कीजिए। वर्तमान आपके पास है। इसे सार्थक एवं खूबसूरत बनाओ।'' (Do not cry for past, that has gone in present, that is in your hands. Make it fruitful and beautiful.)

समय की क्षमता एवं साधनों के साथ सम्मिलित कर उसे सार्थक एवं खूबसुरत बनाना आपके हाथ में है। इसके लिए सम्पूर्ण ऊर्जा एवं क्षमता से पुरूषार्थ करना पड़ता है। यह आप ही को करना है। कोई और नहीं आयेगा करने। एक साथ ही एक कक्षा में पढ़ने वाले तीन सहपाठियों में यदि एक अधिकारी, एक क्लर्क एवं एक बेरोजगार रह जाता है तो इसी अनुपात में उनके द्वारा पुरूषार्थ किया समझो। एक ही क्लास, समान शिक्षण अधिकम, एक जैसे गुरूजी व अन्य स्थितियां समाज होने के बावजूद ये नतीजे उनके द्वारा की गई मेहनत एवं उपलब्ध संसाधनों के कम– ज्यादा उपयोग करने के परिचायक हैं।

सफलता–असफलता को भाग्य से जोड़ना उचित नहीं है। भाग्य से पहले भागदौड़ (पुरूषार्थ) आवश्यक है। समय का सदुपयोग अपेक्षित है। सफल हो गए तो स्वयं के द्वारा की गई मेहनत व साथ में भाग्य तथा असफल हो गए तब मेरा तो भाग्य ही खराब था जैसे स्टेटमेंट देने वालों को पुरूषार्थ करना सीखना चाहिए। शेर जंगल का राजा है। उसे भी भोजन के लिए शिकार (पुरूषार्थ) करना पड़ता है। हाथ पैर मारने पड़ते है। भाग्य के भरोसे रहने अथवा ''मैं तो जंगल का राज

हूँ'' जैसी भावना रखकर गुफा में ही आराम फरमाते रहने वाले जंगल के राजा को भूखा ही रहना पड़ेगा। कोई जंगली जानवर यह कहता हुआ उसकी सेवामें उपस्थिति नहीं होगा कि, ''हे जंगलाधिपति आप सुबह से भूखे हैं। मैं आपकी भूख शान्त करने आया हूँ। आप मेरा भक्षण कीजिए।'' सबको अपने प्राण प्यारे है। जानबूझ कर मरना कोई नहीं चाहता। इसे समझाने के लिए संस्कृत के एक सुन्दर सुभाषितानि हैः–

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्यणि ना मनोरथै।

न हि सुतस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगा।।

अर्थात उद्यम करने यानी पुरूषार्थ से कार्य सिद्ध होते हैं सिर्फ मन में इच्छा कर लेने से नहीं। जैसे आराम से नींद ले रहे शेर के मुँह में हिरण स्वयं प्रवेश नहीं करता। इसके लिए तो स्वयं उसे भागदौड़ करनी पड़ती है।

भाग्य और कर्म का सीधा साक्षेप सम्बन्ध है। भाग्य उन्ही का साथ देता है जो स्वयं का साथ देते है। स्वयं का साथ देने का आश्रय उचित समय पर वांछित प्रयास और मेहनत करने से है। एक युवक ने हस्त रेखा शास्त्री को अपनी रेखाएं दिखाकर उनमें छिपे भाग्य को जानना चाहा। शास्त्री जी ने गम्भीरता चेहरे पर गम्भीरता के साथ हस्त रेखाएं देखीं। और कहा कि तुम्हारे तो भाग्य रेखा है ही नहीं। युवक स्वाभिमानी था। मेहनत और पुरूषार्थ में भरोसा करता था। उसने पंडित जी से भाग्य रेखा हथेली में कहाँ होती है, यह बताने के लिए निवेदन किया। यह क्या पंडित महोदय के द्वारा हथेली में बताए स्थान पर युवक ने चाकू से लाइन खींच दी। खून की धार बह निकली। हस्तरेखा शास्त्री जी एवं उपस्थित अन्य लोग स्तब्ध रह गए। उस युवक ने कड़ी मेहनत करके अद्‌भुत सफलताएं प्राप्त की। असम्भव शब्द मेरे शब्द कोश में नहीं है, जैसी उत्साहवर्धक शिक्षाएं ऐसे ही पौरूषशाली व्यक्तियों ने गढ़ी हैं।

प्रबन्ध शास्त्र में समय प्रबन्धन (Time Management) का अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण है। इस पर निरन्तर शोध एवं अनसंधान होते रहते हैं। पांच मिनट यों ही सामने वाले यह नहीं जानते कि इन्होंने 300 सैकण्ड्स बर्बाद कर दिए हैं। समय की 300 यूनिट्स। कितनी बड़ी संख्या का अहसास कराता है नम्बर तीन सौ। हम तो सैकण्ड तक की ही बात कर रहे हैं। इससे भी लघु गणनाएं की जाती है। उड़नपरी कहलाने वाली भारतीय एथलीट पी.टी.उषा लॉस एंजेलिस में वर्ष 1984 में हुए ओलम्पिक खेलों में 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में एक सैकण्ड से भी कम समय से कॉस्य से वंचित रह गई थी। पाँच दस मिनट को कुछ नही समझने वालों को इस दृष्टांत से शिक्षा लेनी चाहिए। वर्तमान दौर में उच्च व्यावसायिक एवं तकनीकी पढ़ाई हेतु प्रवेश एवं नौकरी हेतु होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में एक सही अथवा एक गलत जवाब से सैंकड़ों प्रतियोगी सफल अथवा असफल घोषित हो जाते हैं। कट ऑफ मेरिट जारी होने के साथ ही ऐसी प्रसन्नता अथवा मायूसी भरे अनेक चेहरे आप देख सकते हैं। मैं तो महज एक अंक से रह गया जैसे स्टेटमेंट जिन्दगी भर रूलाते रहते हैं।

महाभारत में समय का महत्व बताते हुए कहा है, जैसे नदी बहकर चली जाती है, फिर लौटकर नहीं आती। इसी प्रकार रात और दिन (यानी समय) मनुष्य की आयु लेकर चले जाते हैं फिर लौटकर नहीं आते। रात दिन समय के प्रतीक हैं अर्थात जो समय चला जाता है, वह फिर लौटकर नहीं आता है। उसकी तो बस कहानियां (इतिहास) रह जाती है। प्रकृति ने मनुष्य के लिए करणीय कार्यों एवं इन्हें करने के लिए समय उचित अनुपात में दिया है। उसके विश्राम करने सोने जैसे कार्यों भी प्रबन्धन अपलब्ध कर उपलब्ध कुल समय में से अच्छे से हो जाता है। पश्चिमी विचारक मि. लूथर कहते "जो अपने समय का सबसे ज्यादा दुरूपयोग करते हैं, वे ही समय की कमी की सबसे ज्यादा शिकायत करते हैं।" समय का सदुपयोग करने वाले बेहतर कार्य करते हैं, दूसरों की अपेक्षा ज्यादा कार्य करते हैं और समय की कमी जैसी बात कभी उनके मुँह से नहीं सुनी जाती। वे सदैव प्रसन्न और हलके दिखाई देते हैं।

समय प्रबन्धन कला और विज्ञान दोनों हैं। समझदार व्यक्ति विज्ञान के सिद्धान्तों की तरह क्रमबद्ध ढंग से उपलब्ध समय का नियोजन कर कला की तरह उसे खूबसूरत (कलात्मक) बना देता है। उसके समस्त कार्य मिनट–टू–मिनट पैटर्न पर होते चले जाते हैं और उसे किसी तरह का तनाव नहीं रहता।

इस प्रकार बचने वाला समय उसकी बचत (Time Saving) है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। एक जैसा, एक जितनी मात्रा में कार्य एक जैसी योग्यता एवं अनुभव वाले दो व्यक्तियों को एक जितने समय के करने के लिए एक साथ दिया जाता है। कार्य मिलते ही उसकी प्रकृति एवं गम्भीरता को देखकर समय प्रबन्धन कर कार्य करने वाला व्यक्ति यथा समय उसे पूरा कर लेगा इसके विपरीत बिना योजना के अभी क्या है..... कर लेंगे की थ्योरी से लापरवाही से काम करने वाला व्यक्ति अतिरिक्त समय की मांग करता है। उसके द्वारा वांछित प्रतिमान के साथ रिजल्ट भी नहीं दिया जा सकता। माना कि यह काम एक घंटे में होने वाला था। पहले ने पचास मिनट अतिरिक्त लेकर अपनी अकुशलता व अयोग्यता का परिचय दिया। पहले के चेहरे पर प्रसन्नता तैरती है जबकि दूसरे के मायूसी। उच्च अधिकारियों एवं नियोक्ताओं के मन में वैसी ही तस्वीर बन जाती है। पहले वाला सफलता प्राप्त करता है जबकि दूसरा तिरस्कार। यह है समय नियोजन एवं त्वरित क्रियान्वन का महत्व। आप सर्वे करके दिखवा लीजिए परीक्षाओं की मेरिट में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी सम्बन्धित प्रश्न पत्र को करने के लिए निर्धारित समय से पहले प्रश्न पत्र हल कर शान्तिपूर्वक बैठ जाते है। वे संतुलित रहते है और प्रसन्नता सदैव उनके संग रहती है।

समय चक्र का वार्षिक मोड़ वर्ष दो हजार इक्कीस.... 21 वीं शताब्दी का 21वां वर्ष। ग्यारह, इक्कीस, इक्यावन शुभ कहे जाते हैं। स्वयं को विश्वास दिलाएं कि हम एक एक क्षण का सदुपयोग करेंगे। मेहनत करेंगे, निष्ठा, प्रतिबद्धता और समर्पण भाव से देश व समाज के उत्थान हेतु अपनी पूर्ण क्षमता एवं उत्साह के साथ संलग्न रहेंगे। शिक्षा विभाग तो ज्ञान का पवित्र विभाग है। शिक्षक ज्ञान के पुंज है। आइये, अपनी कर्तव्य सारणी को अद्यतन करते हुए कुछ नया कर गुजरने के संकल्प के साथ अपनी चाल को तेज करें।

नेशनल ग्रीन कोर

नेशनल ग्रीन कोर के तहत पर्यावरणीय गतिविधियां

इको क्लब आमुखीकरण सेमिनार

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 27 मार्च, 2021 को इको क्लब आमुखीकरण सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ स्काउट प्रार्थना के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एल.टी.

गिरधारी लाल डावर स्थानीय संघ नीमकाथाना, मुख्य अतिथि जिला प्रशिक्षण आयुक्त पुरुषोत्तम सोनी एवं विशिष्ट अतिथि सीबीईओ नीमकाथाना सत्य प्रकाश टेलर रहे। सचिव स्थानीय संघ, शिवसिंहपुरा किशन लाल सियाग ने इको क्लब बगिया वार्ता की तथा महेंद्र कुमार पारीक ने इको क्लब की जानकारी एवं वार्षिक कार्यक्रम पर विशिष्ट चर्चा की। मनोहर लाल ने इको क्लब के छात्र एवं परिंदे पर वार्ता दी। जिला प्रशिक्षण आयुक्त पुरुषोत्तम सोनी ने प्रधानमंत्री शील्ड और इको क्लब को जोड़ते हुए वार्ता दी। सी.ओ. गाइड ऋतु शर्मा ने अमृत महोत्सव एवं ग्रीन गुड डीड पर आगामी माह तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में सी.ओ.स्काउट बसंत कुमार लाटा के पिताश्री चिरंजी लाल लाटा के देहावसान पर सभी संभागियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जल स्वावलंबन के लिए रेंजर्स ने बढ़ाया कदम

◈ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में संचालित जल स्वावलंबन जागरूकता अभियान के तहत रेंजर लीडर डॉ. अंशुल दाधीच एवं सह आचार्य डॉ. उषा पुरोहित के नेतृत्व में स्थानीय संघ ओसियां क्षेत्र के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओसियां की रेंजर इकाई के द्वारा महाविद्यालय के समीप स्थित सार्वजनिक तालाब की सफाई का कार्य कर श्रमदान किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केसुराम पंवार ने रेंजर्स का उत्साह वर्धन करते हुए ओसियां क्षेत्र में इस कार्य की पहल के लिए रेंजर चंपा, अंजना, ममता व सुमन को बधाई दी। डॉ. पंवार ने सूखे

तालाब की साफ सफाई के लिए आमजन से सहयोग का आह्वान किया।

जल है जीवन का आधार विषय पर वेबिनार

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में जल स्वावलंबन पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया वेबीनार में जिले के इको क्लब प्रभारी, रोवर रेंजर, स्काउट गाइड, स्थानीय संघ सचिव एवं अन्य पदाधिकारियों सहित 65 संभागियों ने भाग लिया। वेबीनार में डॉक्टर बी.एल. जाखड़ प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्थानीय संघ ओसियां एवं बी.आर. बंशीवाल ने संभागियों को जल स्वावलंबन, जल संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डॉ. बी.एल. जाखड़ ने कहा कि जल के अत्यधिक दोहन से भूमिगत जल का स्तर गिरता जा रहा है। इस हेतु जल संरक्षण अभियान में आमजन की भागीदारी आवश्यक है।

वेबीनार के प्रारंभ में सी.ओ. स्काउट छतर सिंह पिडीयार द्वारा सभी का स्वागत किया गया एवं इको क्लब प्रभारियों के दायित्व एवं जल सरंक्षण हेतु स्थानीय नाडी, तालाब, कुआं बावड़ी, पोखर इत्यादि अन्य जल स्रोतों को संरक्षित करने हेतु विशेष आग्रह किया गया।

सी.ओ. गाइड सुयश लोढ़ा ने जल स्वावलंबन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए वर्षा जल संचय एवं जल के महत्व को समझाते हुए जल संग्रहण के बारे में वर्षा जल संचयन से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की। इको क्लब प्रभारी श्रीमती कांता शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सजाडा द्वारा इको क्लब से संबंधित कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण पर कार्यक्रम

◈ जोधपुर के कमला नेहरू नगर स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद मुस्लिम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में नेशनल ग्रीन कोर के तहत संचालित इको क्लब में पर्यावरण दिवसों के आयोजन के अन्तर्गत 22 मार्च को विश्व जल दिवस पर स्काउट छात्रों की ओर से जल संरक्षण में जल की एक–एक बूंद को बचाते हुए उसका सदुपयोग, वर्षा के पानी का संचय तथा पीने के पानी का अपव्यय रोकने जैसे विषयों पर

चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पर्यावरण के प्रति सजग छात्रों की पेटिंग का निरीक्षण स्काउट के लीडर ट्रेनर अनिल शर्मा ने किया। छात्रों की कृतियों से बालकों की प्रगतिशील विचारधारा और सकारात्मक सोच देखने को मिली। विद्यालय में वर्ष भर संचालित स्काउट गतिविधियों के लिए प्रिंसीपल इंतिखाब आलम को भी धन्यवाद दिया और स्काउटर महेन्द्र सैन के सक्रिय नेतृत्व और मार्गदर्शन की प्रशंसा हुई। कार्यक्रम में वाइस प्रिंसीपल अशोक कुमार, पीटीआई राजू सिंह ने विशेष सहयोग दिया।

प्रकृति से छेड़छाड़ के दुष्परिणाम

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ पर नेशनल ग्रीन कोर योजना के अन्तर्गत 3 दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर 21 से 23 फरवरी 2021 तक आयोजित किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न इको क्लबों के 85 स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संजय शुक्ला सभापति नगर परिषद झालावाड द्वारा झण्डारोहण कर किया गया। उन्होंने शिविर में आये हुए सभी सम्भागी रोवर, रेंजर, स्काउट व गाइड को इन्सान द्वारा प्रकृति से छेड़छाड़ कर पर्यावरण को हुए नुकसान के बारे में बताते हुए नवयुवाओं से आव्हान किया कि वे पर्यावरण को

बचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए जनसामान्य में पर्यावरण के प्रति जाग्रति लाने पर विशेष बल दे। वार्ड पार्षद दीपक स्वामी द्वारा भी प्रकृति के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गई।

शिविर के संचालक रामकृष्ण शर्मा सी.ओ.(स्काउट) ने बताया कि इस 3 दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर में सभी स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर ने प्रकृति की गोद में रहते हुए जिले के विभिन्न प्राकृतिक स्थलों का अवलोकन कर प्रकृति की जानकारी प्राप्त की।

गोतमेश्वर महादेव की वनस्पतियों से हुए रूबरू

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ द्वारा नेशनल ग्रीन कोर योजना के अन्तर्गत जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन 21 से 23 फरवरी 2021 तक किया गया, जिसमें स्काउट गाइड को गोतमेश्वर महादेव की वनस्पति एवं वहाँ के जीव–जन्तुओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव हीरालाल मालवीय ने स्काउट गाइड से प्रकृति के संरक्षण में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। सी.ओ. गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि कोविड–19 की

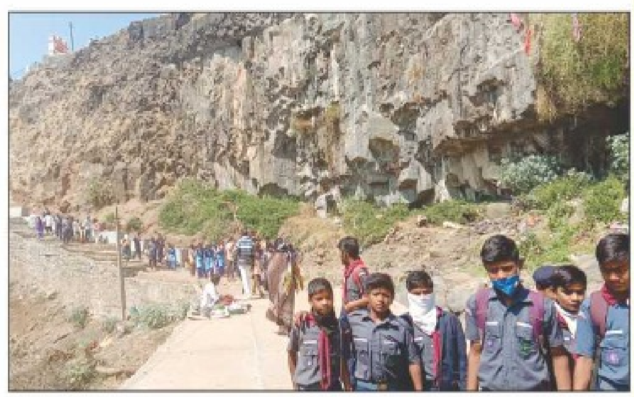

विषम परिस्थितियों को देखते हुए शिविर को ग्रुप स्तर पर अलग अलग किया गया। शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कैलाशचन्द्र तेली ने स्काउट गाइड द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट गाइड सेवा के क्षेत्र में अग्रणी है।

सिल्वर एलीफेंट

◆ गिरधारी लाल शर्मा
रोवर लीडर,
जयपुर

भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स, नई दिल्ली प्रतिवर्ष संगठन के विकास व विस्तार हेतु किये गये अतिविशिष्ट, अनुकरनीय व दीर्घकालीन सेवाओं के लिए सहयोगियों, परामर्षदाताओं, शुभचिन्तकों, एडल्ट लीडर्स, स्वंयसेवकों एवं कार्यपालकों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित करता है। जैसे मेडल ऑफ मेरिट, बार टू मेडल ऑफ मेरिट, सिल्वर स्टार, बार टू सिल्वर स्टार, दीर्घ कालीन अलंकरण, सर्विसस्टार, धन्यवाद बैज, इत्यादि इत्यादि।

सिल्वर एलीफेन्ट

भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। इस पुरस्कार की स्थापना भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स की स्थापना से ही मानी जाती है।

इस पुरस्कार में 2X3 सेमी. हाथी की चांदी में प्रतिकृति तीन रंगों (नीला, हरा एवं लाल, जो तीन विभागों, कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड एवं रोवर/रेंजर का प्रतिनिधित्व करती है) की पट्टी में पिरोई हुई एवं एक प्रमाण–पत्र होता है।

एलीफेंट–यानि हाथी (गज) जो अपने विषेश रूप, बल एवं सामाजिकता के लिए जाना जाने वाला पशु है।

महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष समारोह में यह पुरस्कार अति विशिष्ट, सर्वोत्कृष्ट, अनुकरणीय व दीर्घकालीन सेवाओं के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय परिषद द्वारा अनुशंसित महानुभावों को प्रदान किया जाता है। राष्ट्र के प्रमुख शिक्षाविदों, राजनीतिज्ञों, समाज सेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, एडल्ट लीडर्स, विभिन्न राष्ट्रों के स्काउट/गाइड संगठन प्रमुखों, विश्व स्काउट ब्यूरो एवं एशिया पेसिफिक रीजन के पदाधिकारियों, राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं मुख्य सचिवों को इस पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। उनमें से प्रमुख हैं – श्रीमती लक्ष्मी मजूमदार, सरदार लक्ष्मण सिंह, जी. रंगाराव, रामेश्वर ठाकुर, एल.एम. जैन, डॉ. के.के. खण्डेलवाल, श्रीमती नजमा हेपतुल्लाह, अशोक गहलोत, बी.आई. नागराले, शालिनी मिश्रा, विनोद खाण्डेकर, रोमावानी, सुधा प्रकाश, एन. रामचन्द्रन, गोविन्द सिंह बिष्ट, श्रीमती माणक बार्सले, काली प्रसाद मिश्र, दलजीत सेन महाजन, महेन्द्र भाई पटेल, प्रसन्ना श्रीवास्तव, सुभाष चक्रवर्ती, जी.बी.एस. सजवान, बी.के. बहुगुणा, आर.के. शर्मा, एस. कुमार इत्यादि इत्यादि।

चूंकि स्काउटिंग का प्रकृति एवं पशु पक्षियों से गहरा सम्बन्ध है इसीलिए प्रायः प्रमुख राष्ट्रों के स्काउट्स एण्ड गाइड्स संगठनों ने अपने राष्ट्रीय संगठन के सर्वोच्च पुरस्कार का नाम पशु–पक्षियों के नाम पर रखा है।

ब्रोंज वुल्फ

विश्व स्काउट ब्यूरो द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। हमारे देश से यह सम्मान श्रीमती लक्ष्मी मजूमदार, सरदार लक्ष्मण सिंह, जी. रंगाराव एवं एल.एम. जैन को मिल चुका है।

कुछ कतिपय राष्ट्रों के सर्वोच्च सम्मान निम्नांकित हैं -

(i) सिल्वर केमल (Silver Camel) –पाकिस्तान

(ii) सिल्वर टाइगर (Silver Tiger) –बांग्लादेश

(iii) सिल्वर कंगारू (Silver Kangaroo) –आस्ट्रेलिया

(iv) सिल्वर बफलो (Silver Buffalo) – अमेरिका (यू.एस.ए.)

(v) सिल्वर वुल्फ (Silver Wolf) –ग्रेट ब्रिटेन (यू.के.)

(vi) सिल्वर राइनासरेस (Silver Rhinoceros)–नेपाल

(vii) सिल्वर लॉयन (Silver Lion) –श्रीलंका

उल्लेखनीय कार्यों का सम्मान एक स्वस्थ परम्परा है। इस से अन्य लोगों को अच्छे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। 'अभिप्रेरणा' प्रबन्धन का एक प्रमुख घटक है। यह संगठन के विकास एवं विस्तार में एक महत्वपूर्ण रसायन के

रूप में काम करती है। यह संगठन से जुड़े सभी स्तरों के स्वयं सेवकों, एडल्ट लीडर्स, कर्मचारियों/अधिकारियों के द्वारा संगठनात्मक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कुशल, सतत एवं ईमानदार प्रयासों को प्रोत्साहित करती है। अभिप्रेरणा जैसे महत्वपूर्ण घटक को सभी संगठनों ने चाहे वे व्यावसायिक हो, शैक्षिक हो, सैन्य बल हो, अर्द्धसैनिक बल हो, पुलिस बल हो, चिकित्सा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान से सम्बन्धित सरकारी/गैरसरकारी, सामाजिक या अन्य संगठन हो, ने स्वीकारा है।

परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेवा मेडल, राष्ट्रपति पुलिस पदक, विशिष्ट एवं सुदीर्घ सेवाओं के लिए प्रदान किये जाने वाले पदकों के अच्छे उदाहरण है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स अपने स्थापना से ही राष्ट्र की स्काउटिंग/गाइडिंग में विशेष स्थान रखता आ रहा है।

यहाँ की पेट्रोल कुकिंग, प्रशिक्षण विधि, ग्रामीण रोवरिंग, कुशल एवं दक्ष प्रशिक्षक दल, भौतिक संसाधन, शिविर केन्द्रों की व्यापकता तथा राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषण एवं संरक्षण से राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स अग्रणी राज्य है। वर्ष 1998 में आयोजित 13वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, खुर्दा, उड़ीसा से अब तक आयोजित सभी राष्ट्रीय जम्बूरियों–17वीं राष्ट्रीय जम्बूरी दिनांक 29.12.2016 से 04.01.2017 तक अडकनहल्ली, मैसूर (कर्नाटक) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु राष्ट्रीय कमिश्नर ध्वज प्राप्त करता आ रहा है।

जम्बूरी प्रति चार वर्ष के अन्तराल से आयोजित विशाल युवा उत्सव होता है, जिसमें देश/विदेश के स्काउट्स/गाइड्स सदस्य भाग लेते हैं, जिसकी मधुर स्मृतियों को स्काउट्स/गाइड्स जीवन भर संजोये रखते है।

राष्ट्र में पहली राष्ट्रीय जम्बूरी 29.12.1953 से 02.01.1954 तक सिकन्दराबाद–हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश) में आयोजित हुई थी। हमारे राज्य राजस्थान को द्वितीय राष्ट्रीय जम्बूरी दिनांक 26.12.1956 से 01.01.1957 तक जयपुर में आजोजित करने का सुअवसर मिला।

प्रारम्भ से ही इस संगठन को राजा–महाराजाओं का संरक्षण प्राप्त हुआ। कालान्तर से ही प्रमुख शिक्षाविदों, समाज सेवियों, न्यायविदों, विचारकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में संगठन उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राज्य संगठन के वार्षिक प्रतिवेदन के अनुसार 31.03.2020 को हमारे राज्य में 4875 कब पैक, 2120 बुलबुल फ्लॉक, 18648 स्काउट ट्रूप्स, 5780 गाइड कम्पनियाँ, 1102 रोवर क्रू व 910 रेंजर टीम संचालित हैं, जिनके माध्यम से 10,26,437 स्काउट्स/गाइड्स सुनागरिकता का प्रशिक्षण लेते हुए राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन एवं समाज को अपनी विनम्र सेवाएं दे रहे हैं।

समय–समय पर राज्य के अनेक महानुभावों एवं पदाधिकारियों को भारत स्काउट्स व गाइड्स के सर्वोच्च पुरस्कार **"सिल्वर एलीफेंट"** से नवाजा गया है। अब तक 27 महानुभावों को यह पुरस्कार मिल चुका है। राजा अमरनाथ अटल, अध्यक्ष जयपुर स्टेट ब्वॉय स्काउट एसोसिएशन तथा राव चन्द्रपाल सिंह, स्टेट कमिश्नर, जयपुर स्टेट ब्वॉय स्काउट एसोसिएशन को सब से पहले यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

पूर्व स्टेट चीफ कमिश्नर, एस.के.जिब्बू, लक्ष्मी लाल जोशी, जगन्नाथ सिंह मेहता, रणजीत सिंह कुमट, अतुल कुमार गर्ग व निरंजन आर्य, शिक्षाविद डॉ. मोहन सिंह मेहता, दानमल माथुर, गणपति चन्द्र भण्डारी, मांगीलाल सोलंकी, तेजकरण डंडिया, डॉ. दामोदर शर्मा, राज्य पदाधिकारी श्याम सुन्दर शर्मा, मोहन लाल माथुर, शान्ति भण्डारी, उषा सुन्दरी वली, पूर्व राज्य संगठन आयुक्त राम स्वरूप धीमन, गणेशी राम, महेश शरण सहाय एवं रघुवीर सिंह शेखावत, समाज सेवी रतन लाल पारेख, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी विष्णु दत्त शर्मा, ब्रहम दत्त जोशी व राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को यह सम्मान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

जिस प्रकार राजस्थान प्रदेश स्काउटिंग/गाइडिंग के क्षेत्र में नित नई ऊँचाइयों को स्पर्श कर रहा है तो यह कहा जा सकता है कि संगठन के इस सर्वोच्च अलंकरण की यात्रा राज्य में निश्चित रूप से जारी रहेगी।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अमेरिका सिंह से भेंट

उदयपुर मण्डल क्षेत्र के सभी राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों में रोवरिंग–रेंजरिंग गतिविधियों को बढावा देने के उद्देश्य से 13 मार्च, 2021 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अमेरिका सिंह से सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट बाबूसिंह राजपुरोहित, सी.ओ स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे, रोवर लीडर एमएलएसयू डॉ. खुशपाल गर्ग, सहायक लीडर ट्रेनर राकेश टांक ने भेंटवार्ता कर स्काउट गाइड संगठन के बारे में जानकारी एवं उपलब्धियों के साथ ही आगामी प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी।

कुलपति अमेरिका सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिऐ रोवरिंग व रेंजरिंग से जोड़ना आवश्यक है। डॉ. सिंह ने भारत स्काउट गाइड संगठन को हर संभव सहयोग दिलाने के साथ ही मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अधिनस्थ सभी महाविद्यालयों में रोवरिंग व रेंजरिंग प्रवृत्ति का अनिवार्यतः सक्रिय संचालन के साथ ही मण्डल क्षेत्र की रोवरिंग प्रवृति को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करवाने के लिऐ कार्य योजना बनाने के लिऐ संबंधित को निर्देश प्रदान किये।

इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड संगठन की ओर से कुलपति डॉ. अमेरिका सिंह का संगठन का स्कार्फ, मवाड़ी परंपरागत पाग एवं उपरणा पहनाकर अभिनन्दन किया।

सड़क सुरक्षा नियम व पालना

एपीआरओ भाग-२ चेप्टर-२, नियम सं.10(6)(b)

प्रमोद कुमार शर्मा एवं कल्पना शर्मा
सर्कल ऑर्गेनाइजर, अलवर

पूरे विश्व के मुकाबले अकेले भारत मे 10 प्रतिशत मौतें सड़क दुर्घटनाओं में होती है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग एंड रिर्सच सेंटर के एक्सपर्टस् के मुताबिक, विकसित देशों के मुकाबले भारत में सड़क दुर्घटनाएं 3 गुणा अधिक होती है। आँकड़े और भी बहुत है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन दुर्घटनाओं को कम कैसे किया जाए?

1. सबसे जरूरी यह है कि सड़क से संबंधित मूल नियमों का ईमानदारी से पालन किया जाए, चाहे वो सड़क पर चलने वाले लोग हो या वाहन चालक। यदि सभी नियमों का सही तरीके से पालन करेंगें, तो दुर्घटनाएं कम होंगी।
2. सुरक्षा नियमों का पालन बच्चो को सिखाना बहुत जरूरी है और यह तभी संभव है जब पैरेंट्स और टीचर्स खुद इन नियमों का पालन करें।
3. चलते वक्त हमेशा फुटपाथ का उपयोग करें। जहां फुटपाथ न हो, वहां सड़क के एकदम बाईं ओर ही चले।
4. कभी भी धैर्य खोकर जल्दबाजी न दिखाएं। सिग्नल तोड़कर या सामने से गाड़ी को आता देख भागकर रोड क्रॉस कभी न करें।
5. सड़क क्रॉस करते वक्त जेब्रा क्रॉसिंग सिग्नल, सब–वे, फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करें। जिन जगहों पर ये सुविधाएं न हो, वहां सुरक्षित जगह देखकर क्रॉस करें।
6. ग्रीन सिग्नल के वक्त ही रोड क्रॉस करें या फिर यदि वहां ट्रैफिक पुलिस है, तो उसके निर्देशों के अनुसार सड़क क्रॉस करें।
7. जो लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं, उन्हे भी ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी भागकर बस न पकड़े।
8. हमेशा कतार में रहें और उसी के अनुसार बस मे चढें, हैंडल पकड़कर रखे। हैंडसेट को तेज रखकर गाने सुनते हुए न चलें, इससे गाड़ी के हॉर्न की आवाज वगैरह आप सुन नहीं पाएंगें।
9. सड़क क्रॉस करते समय दोनों तरफ अच्छी तरह देखकर ही क्रॉस करें। 'कीप लेफ्ट' यानि बाईं ओर ही वाहन चलाऐं।
10. बाईं ओर से टर्न लेना हो, तो टर्न लेने के बाद भी बाईं ओर ही गाड़ी चलाएं।
11. लेन को कट–क्रॉस न करें, जैसे–आपको बाईं तरफ टर्न लेना है, तो गाड़ी को दाहिनी तरफ रखकर फिर बाईं ओर मुड़ने का जोखिम न उठाएं। शुरू से ही बाईं ओर गाड़ी रखें।
12. अगर दाहिनी ओर मुड़ना है, तो पहले सड़क के बीच सुरक्षित तरीके से आएं, फिर दाहिनी ओर पहुंचे। टर्न लेने के बाद गाड़ी वापस सड़क की बाईं तरफ ही रखकर ड्राइव करें।
13. यू टर्न लेते वक्त भी इंडिकेशन जरूर दें और जहां यू टर्न की अनुमति नहीं है, वहां से यू टर्न कभी न लें।
14. वन वे में कभी रिवर्स या अपोजिट डायरेक्शन मे गाड़ी न चलाए।
15. यदि इंडिकेशन व ब्रेक लाइट्स काम नहीं करें, तो वो रिपेयर न हो जाए, तब तक हाथों के साइन्स का प्रयोग करें।
16. इन साइन्स को आप इन स्थितियों मे जरूर इस्तेमाल करें– जब गाड़ी धीमी कर रहे हो, गाड़ी रोक रहे हो, जब गाड़ी लेफ्ट या राइट टर्न ले रहे हो या साइड की गाड़ी को ओवरटेक कर रहे हों, जब पीछे वाली गाड़ी को यह इशारा देना हो कि वो आगे निकलने के लिए सुरक्षित है।
17. कभी भी यह सोचकर गाड़ी न चलाएं कि आप किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं और सड़क के बाकी लोग आपके प्रतियोगी है, जिनसे आपको आगे निकलना है।
18. बेवजह के स्टंट्स न दिखाएं, यही सोचे कि जान से ज्यादा कीमती कुछ भी नही।
19. अपने वाहन की नियमित सर्विसिंग करवाएं ।
20. बेवजह हार्न न बजाएं।
21. कर्कश या तेज आवाज वाले हार्न का इस्तेमाल न करें।
22. अपने सभी जरूरी कागजात साथ ही रखे, जैसे– ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्यारेंस और टैक्सेशन के पेपर्स, गाड़ी के रजिस्ट्रेशन संबंधी कागजात।

क्या न करें?

1. सिग्नल न तोड़ें ।
2. ड्रंक–ड्राइव से बचें यानि शराब पीकर गाड़ी न चलाएं।
3. शहर में 40 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से अधिक गाड़ी न चलाएं।
4. 18 वर्ष से कम उम्र वाले बालक–बालिकाएं ड्राइव न करें।
5. व्यस्त सड़कों पर गाड़ी पार्क न करें।

टू–व्हीलर वाले क्या करें?

1. अच्छी क्वालिटी का फुल मास्क हेलमेट पहने।
2. आगे और पीछे की लाइट्स काम कर रही है कि नही, इसका ध्यान हमेशा रखें।
3. मुड़ते वक्त इंडिकेशन जरूर दे।
4. आगे और पीछे दोनो ब्रेक्स का इस्तेमाल एक साथ सही ढंग से करें।
5. सुरक्षित दूरी बनाकर ही ड्राइव करें।
6. कभी भी टेढ़े–मेढ़े यानि जिग–जैग तरीके से ड्राइव न करें, जो अक्सर टू व्हीलर वाले करते हैं।
7. बहुत तेज रफ्तार से बचें। 8. अचानक ब्रेक न लगाएं।
9. गलत साइड से ओवरटेक न करें।
10. ड्राइविंग के समय फोन का इस्तेमाल न करें।
11. शराब पीकर ड्राइव न करें।
12. बहुत ज्यादा वजन लेकर ड्राइव न करें।

चाहे पैदल यात्री हो या वाहन चालक, आप हमेशा यह बात याद रखें कि आपकी जरा–सी लापरवाही न सिर्फ आपकी, बल्कि दूसरों की भी जान ले सकती है। कोशिश करें कि जिम्मेदार नागरिक बने और नियमों का उल्लंघन न करें।

बच्चो को सिखाएं रोड–सेफ्टी रूल्स

बच्चों के लिए स्कूल की तरफ से ही बहुत सी वर्कशॉप्स होती है, जिसमें उन्हे इन नियमों के बारे में बताया व समझाया जाता है। इसी क्रम में हाल ही में इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने वहां के स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी कि क्या करें, क्या न करें। ट्रैफिक पुलिस की रोड सेफ्टी कमिटी ने 20 स्कूल्स के 350 बच्चों को यह जानकारी दी कि रोड कैसे क्रॉस की जाए और स्कूल बस में भी चढ़ते–उतरते समय क्या सावधानियां बरती जाएं। इसमें विद्यार्थियों को सेफ्टी मैन्युअल दी गई, जिसमें सही और गलत दोनों बातो का उल्लेख है, जैसे– जेब्रा क्रॉसिंग का इस्तेमाल, सिग्नल संबंधी नियम, फुटपाथ का प्रयोग आदि।

वाहन से सम्बन्धित कागजात

1. ड्राइविंग लाइसेंस/डी.एल
2. बीमा प्रमाणन पत्र/इंश्योरेंस
3. प्रदूषण प्रमाण पत्र/पी.यू.सी
4. पंजीयन प्रमाण–पत्र/आर.सी

वॉल क्लाइम्ब एवं एडवेंचर प्रशिक्षण शिविर

महाराष्ट्र के संभागी बीकानेर की स्थापत्य कला को देख हुए अभिभूत

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में 09 से 13 फरवरी 2021 तक मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, रिडमलसर बीकानेर पर वॉल क्लाइम्ब एवं एडवेंचर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में संभागियों ने पेरासैलिंग एवं एटीवी बाइक राईडिंग का रोमांच प्राप्त किया। पर्वतारोही सुषमा बिस्सा एवं रोहिताश्व बिस्सा के नेतृत्व में पैरासेलिंग के माध्यम से युवाओं ने आसमान की सैर की। एटीवी बाइक पर रेतीले धोरों के मखमली उतार चढ़ाव के अनुभवों को प्राप्त किया।

शिविर संचालक मानमहेन्द्रसिंह भाटी ने बताया कि सुबह सभी शिविरार्थियों ने करणी माता मंदिर के दर्शन किये और तत्पश्चात जूनागढ़ फोर्ट का अवलोकन करते हुए बीकानेर शहर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक विरासत को जाना। शिविर में महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, हनुमानगढ़, चितौड़गढ़, झुंझुनू, बीकानेर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर से 104 संभागी बीकानेर की स्थापत्य कला को देख अभिभूत हुए।

साथ ही राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र का अवलोकन कर रेगिस्तान के जहाज ऊँट के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त की। संभागियों ने केमल फार्म में केमल सफारी का आनन्द लिया। शिविर के दौरान संभागियों ने सांचू बॉर्डर की विजिट की। शिविर में वॉल क्लाइम्ब प्रशिक्षण के साथ साथ तीरंदाजी, गन शुटिंग, जिपलाइन का अभ्यास भी करवाया गया।

शिविर में सी ओ स्काउट जसवन्तसिंह राजपुरोहित, सी.ओ. स्काउट हनुमानगढ़ भारत भूषण, सी.ओ. गाइड सुभिता गिल, रोवर लीडर प्रेम गम्भीर, सुगनाराम चौधरी, सोहनलाल गोदारा, प्रदीप कुमार, कन्हैया कुमार उत्तरप्रदेश, सुभम बेंजकर महाराष्ट्र आदि ने सह संचालन किया।

गतिविधि दर्पण

मण्डल, जिला एवं स्थानीय संघ स्तर पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों, दिवसों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

भरतपुर संभाग

शहीद दिवस पर रक्तदान किया व निकाली जनचेतना रैली

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में शहीद दिवस के अवसर पर 23 मार्च 2021 को प्रातः 11 बजे से सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर पर तृतीय रक्तदान शिविर का शुभारंभ तहसीलदार सवाई माधोपुर प्रीति मीना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तेज सिंह मीणा, प्रमुख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर बी.एल. मीना, सी.ओ. स्काउट चंद्रशंकर श्रीवास्तव एवं सचिव स्थानीय संघ सवाईमाधोपुर महेश पहाड़िया के आतिथ्य में किया गया।

रक्तदान शिविर में भगवती शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान गंगापुरसिटी के स्काउट ग्रुप वार्षिक शिविर के 8 संभागियों ने एवं 5 रोवर द्वारा कुल 13 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर से पूर्व जिला प्रशासन, नेहरू युवा केन्द्र एवं भारत स्काउट गाइड के संयुक्त तत्वावधान में शहीद दिवस के उपलक्ष्य में अहिंसा यात्रा एवं मौन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कलेक्टर निवास से प्रातः 8.30 बजे जनचेतना रैली का आयोजन किया गया। रैली को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर राजेन्द्र किशन, जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर सूरज सिंह नेगी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर शिविर संचालक रामचरन पंवार, सुखचंद वर्मा, महेश कुमार पहाड़िया, दिनेश चंद गुप्ता, रामजी लाल बैरवा, महेश पहाड़िया, सत्य नारायण शर्मा एवं सर्विस रोवर जीतराम सैनी, बुद्ध राम सैनी, खेमराज गुप्ता, गिरीश बैरवा, संतोष सैनी, महावीर जोलिया, सर्विस रेंजर अरुणा, अभिलाषा, संगीता आदि उपस्थित थे ।

बेसिक प्रशिक्षण शिविर में सिखाई स्काउट विधाएं

◈ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, भरतपुर के

तत्वावधान में 15 से 21 मार्च, 2021 तक बी.एस.टी.सी. ग्रुप प्रशिक्षण शिविर व स्काउट मास्टर बेसिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय, रेल्वे स्टेशन के सामने किया गया। बी.एस.टी.सी. ग्रुप प्रशिक्षण शिविर में डाईट, कृष्णा टी.टी. कॉलेज, मदर टैरेसा महाविद्यालयों के संभागियों ने भाग लिया। बेसिक कोर्स में भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिलो से 25 संभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन सी.ओ. स्काउट राजेन्द्र प्रसाद मीणा के दिशा निर्देशन में हुआ जिसमें स्काउट विद्याओं यथा स्काउट सिद्धान्त, उद्देश्य, नियम, प्रतिज्ञा, पायनियरिंग, प्राथमिक सहायता, मैंपिग, अनुमान लगाना, ध्वज शिष्टाचार, बी.पी. सिक्स, निरीक्षण आदि का ज्ञान करवाया गया। शिविर में हीरालाल रावत, यादराम गुर्जर, मुरारी लाल शर्मा, मुकुट बिहारी गुप्ता, प्रकाश चन्द सुमन, वेद प्रकाश गुप्ता, पूरनसिंह डागुर, महेश चन्द शर्मा ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

स्काउट्स ने किया रक्तदान व निकाली रैली

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, धौलपुर के तत्वावधान में सात दिवसीय बी.एस.टी.सी. स्काउट ग्रुप वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 17 से 23 मार्च 2021 आयोजित किया गया। शिविर में स्काउट आंदोलन के सिद्धांत, इतिहास, स्फूर्ति, सुव्यवस्था, चिन्ह, सैल्यूट, प्रार्थना, झंडागीत, ध्वज शिष्टाचार, प्रथम सोपान की गांठे, लेसिंग, प्राथमिक

चिकित्सा, नक्शा बनाना व दिशा ज्ञान, योग व्यायाम एवं प्राणायाम आदि का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में चेतन चौहान मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद धौलपुर ने अहिंसा दिवस के अवसर पर रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। शहीद दिवस के अवसर पर स्काउट्स ने 05 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान सामान्य चिकित्सालय ब्लड बैंक धौलपुर में किया। इस अवसर पर शिविर संचालक आदम सिंह, मोहन सिंह कुशवाह, अमीरी सिंह, हरिओम कटारा, गनेश कुशवाह, आलोक दुबे, गौरव शर्मा, आयुष शर्मा आदि उपस्थित थे।

जयपुर संभाग

दीपोत्सव के साथ मनाया विश्व स्काउट व चिन्तन दिवस

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर में विश्व स्काउट एवं गाइड चिन्तन दिवस शिक्षा अधिकारियों, भामाशाहों, स्काउट गाइड पदाधिकारियों के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया। इसके अन्तर्गत पूर्व संध्या पर दीपोत्सव का आयोजन किया, जिसमें 160 स्काउट गाइड ने भाग लिया। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम बसन्त कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट के नेतृत्व व सुरेश कुमार शर्मा मेडिकल ऑफिसर दिल्ली, आलोक कौशिक अध्यक्ष संकल्प सेवा संस्थान सीकर, एडवोकेट लीना बिजारणियां, सुनिता जोशी के आतिथ्य में आयोजित किया गया। स्काउट गाइड गतिविधि एवं पर्यावरण संरक्षण, हस्तकला, वेस्ट मेटेरियल से बनाई गई वस्तुएं, मॉडल, पेन्टिंग की प्रदर्शनी लगाई जिसका अतिथियों एवं स्काउट गाइड रोवर रेन्जर ने अवलोकन किया। इस अवसर पर विश्व स्काउट दिवस संगोष्ठी एवं

सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही विश्व स्काउट गाइड दिवस पर शानदार कार्यक्रमों के साथ जिले के स्काउट गाइड ग्रुपों एवं स्थानीय संघ मुख्यालयों सहित स्थानीय संघ मुख्यालय पलसाना, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, नये स्थानीय संघ रामगढ़ शेखावाटी, राउमावि बुर्जा की ढाणी, राबाउमावि छावनी नीमकाथाना, आर्दश विद्या निकेतन मा.वि कोलीडा, राबाउमावि मउ, रामावि चैलासी, रामावि गोरधनपुरा नीमकाथाना, राउमावि रामपुरा खण्डेला, रा.प्रवेशिका संस्कृत मरू, राउमावि फागलवा, राउमावि रामपुरा धोद, रामावि कुरबडा सहित अनेक विद्यालयों में स्काउट गाइड सदस्यो ने पोस्टर, भाषण, निबन्ध, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता कार्यक्रम, सर्वधर्म प्रार्थना सभा, पौधों की देखभाल, भ्रमण, हाइक, रंगोली, वृक्ष वाटिका तैयार करना, गीत, कविता, मानव श्रृंखला बनाना, जन चेतना रैली, नाटक, कैम्पफायर सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित कर चेतना का कार्य किया। इस अवसर पवन कुमार शर्मा सचिव पलसाना के नेतृत्व में स्काउट गाइड सदस्यो ने शाकम्बरी माता के दर्शन कर पहाड़ो में प्रकृति का भी अध्ययन किया गया एवं वनस्पतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जोधपुर संभाग

बी.पी. दिवस पर सर्वधर्म समभाव के लिए किया चिन्तन

◈ विश्वव्यापी स्काउटिंग के संस्थापक लार्ड बेडेन पॉवेल एवं लेडी बेडन पॉवेल के जन्म दिवस के अवसर पर भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय जोधपुर के तत्वावधान में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी के मुख्य आतिथ्य एवं लीडर ट्रेनर नारायण सिंह सांखला की अध्यक्षता में किया गया। प्रार्थना सभा के दौरान सभी धर्मो की प्रार्थनाओं की प्रस्तुतियों के साथ लार्ड बी.पी. एवं लेडी बी.पी. के जन्मदिवस पर सर्वधर्म समभाव के लिए चिंतन मंथन किया गया। इस अवसर पर आयुक्त जोशी ने कहा कि युवा अपने जीवन लक्ष्य के प्रति सजग रहें। जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाए तब तक प्रयत्नशील रहें। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में लीडर ट्रेनर सांखला ने कहा स्वस्थ जीवन जीने के लिए सदैव प्रसन्न रहें और हंसने हंसाने

की आदत बनाएं।

इस अवसर पर संयोजक सी.ओ. स्काउट छतर सिंह पिडियार ने कहा कि ईश्वर एक है उन तक पहुंचने के रास्ते अनेक है अतः अपने धर्म का पालन करते हुए दूसरे धर्मों का भी सम्मान करें। सी.ओ. गाइड सुयश लोढ़ा ने कहा ईश्वर में आस्था रखें और सभी धर्मों के साथ सद्व्यवहार बनाए रखें। सहायक

सिंह सांखला ने प्रार्थना सभा में भागीदारी कर संयोजन में सहयोग किया। विश्व स्काउट दिवस एवं चिंतन दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता, वृक्षारोपण, मानव श्रंखला, साइकिल रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

स्काउट गाइड मुख्यालय को भेंट किए मास्क

❖ स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में अपने दायित्व की पालना एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जोधपुर के स्थानीय संघ ओसियां के ग्रुप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बेरड़ों का बास के स्काउट गाइड द्वारा जन सहयोग से 300 मास्क प्राप्त कर स्काउट गाइड मुख्यालय, जोधपुर को भेंट

किए गए। सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी व सीओ गाइड सुयश लोढ़ा को यह मास्क भेंट करते हुए ओसियां संघ प्रभारी सहायक जिला आयुक्त व प्रधानाचार्य देवी बिजानी ने निवेदन किया कि स्काउट गाइड के सेवाभाव के क्रम में ये मास्क कच्ची बस्तियों में तथा सफाईकर्मियों आदि में वितरित किए जाएं। सीओ गाइड सुयश लोढ़ा ने स्काउट गाइड छात्र छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोटा संभाग

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के गुर सिखाये

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में आयोजित मदर इण्डिया व ग्रेट इण्डिया टीचर

ट्रेनिंग स्कुल खानपुर की छात्राध्यापिकाओं के ग्रुप वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सुश्री कृष्णा वर्मा ने प्रातः प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के गुर सिखाये तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुरूषोत्तम माहेश्वरी जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

रामकृष्ण शर्मा सी.ओ. (स्काउट) द्वारा शिविर की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर व शाब्दिक स्वागत किया गया। मास्टर ट्रेनर कृष्ण मोहन देवड़ा ने जनचेतना गीतों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया तथा शिविर संचालक देवी सहाय गौड ने शिविर के संबंध में जानकारी दी। शिविर में स्काउटर लोकेन्द्र शर्मा, बिरधीलाल मीणा, बद्रीलाल सेन, हरिओम लववंशी, गाइडर श्रीमति मेहराज बी अली, पिंकल प्रजापति, प्रीतिमा पुलक, रक्षिता सिंह आदि ने प्रशिक्षण दिया। शिविर के दौरान जिला मुख्यालय से पर्यावरण चेतना, जल संरक्षण, कोविड–19 जागरूकता रैली एवं नशामुक्ति रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया तथा रैली मंगलपुरा से मामा–भांजा चौराहा होते हुए साई मन्दिर पर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर रोवर स्काउट नेमीचन्द्र, बीरमचन्द्र, भोलाराम, विनोद, राहुल, जीतमल आदि उपस्थित रहे।

सर्वधर्म प्रार्थना से मनाया विश्व चिन्तन दिवस

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ पर विश्व चिन्तन दिवस के अवसर पर प्रातः 7.30 बजे सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड आन्दोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल के चित्र पर

माल्यार्पण कर सभी धर्मों की प्रार्थनाओं यथा वैदिक प्रार्थना, रामधुन, नामधुन, झालावाड़ गुरूद्वारे के मुख्य ग्रन्थि प्रीतम सिंह द्वारा गुरूवाणी, रेंजर नाजरीन द्वारा मुस्लिम प्रार्थना, रविन्द्र जी जैन द्वारा जैन प्रार्थना का गायन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ. राजेश शर्मा प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय चौमहला ने सभी धर्मो के प्रति अपने हृदय को विशाल बनाते हुए सभी धर्मों का आदर कर अपने राष्ट्र के निर्माण में योगदान करने का आव्हान किया। गौरीशंकर मीणा उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की, कृष्णमोहन देवड़ा जिला

इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्काउटर गाइडर उपस्थित रहे। हेमराज मीणा, बिरधी लाल मीणा, रोबिन सिंह, चौथमल शर्मा, मधु शर्मा, रमा पाटीदार, प्रियंका एवं समस्त रोवर रेंजर ने प्रार्थना सभा में सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन रामकृष्ण शर्मा सी.ओ. स्काउट झालावाड़ द्वारा किया गया।

उदयपुर संभाग

वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम

◈ त्रि–स्तरीय जन अनुशासन पखवाडे के दौरान स्थानीय संघ उदयपुर की ओर से निरतंर चल रहे ऑनलाईन वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन एवं सैनिक कल्याण बोर्ड के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने निवास स्थान से ऑनलाईन शिरकत कर प्रदेश के स्काउट गाइड संगठन के द्वारा कोविड–19 के दौरान प्रदेश स्तर पर स्काउट गाइड संगठन के द्वारा मानवता की जिंदा मिसाल के रूप में की जा रही अनुकरणीय सेवाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुऐ वर्चुअल योगाभ्यास में राज्य स्तर पर सहभागिता कर रहे सभी संभागियों को अपने उद्‌बोधन में कहा कि कोविड महामारी के दौरान सरकार अपने हर स्तर पर प्रयास कर रही है इसी के साथ प्रदेश के विभिन्न समाज सेवी संगठन भी बहुत ही सराहनीय सेवाएं दे रहे हैं। उसी में शुमार भारत स्काउट गाइड संगठन की सेवाएं बहुत ही सराहनीय है। योगाभ्यास के कोर्डिनेटर एवं सचिव स्थानीय संघ सैम्युल फ्रांसिस ने कोविड–19 के दौरान की जा रही स्काउट गाइड सेवाओं की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल, स्टेट कमिश्नर संजय दत्ता, उदयपुर संभाग के सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट बाबू सिंह राजपुरोहित, सी.ओ स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे, सी.ओ गाइड विजय लक्ष्मी वर्मा, स्थानीय संघ उदयपुर के प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट एवं अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ललित कुमार दक, उप प्रधान जगदीश अरोड़ा ने उपस्थित रहकर संबोधित किया। योगाभ्यास कार्य कल्पना धर्मावत गाइडर महाराणा मेवाड पब्लिक स्कूल उदयपुर ने करवाया।

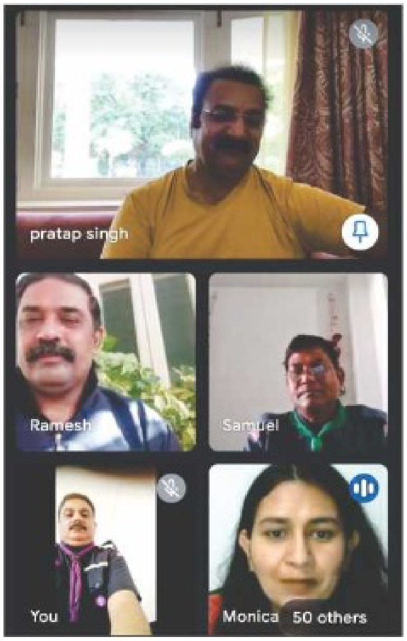

स्काउट्स ने मनाया विश्व स्काउट दिवस

◈ राजसमंद जिला परिक्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुंचोली, स्थानीय संघ कुंभलगढ़ में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तहत सहायक लीडर ट्रेनर

स्काउट व शारिरिक शिक्षक राकेश टॉक के नेतृत्व में आज 22 फरवरी 2021 को विश्वव्यापी संगठन के संस्थापक लॉर्ड स्टीफेंसन स्मिथ बेडेन पावेल व लेडी बेडेन पावेल के जन्मदिवस को स्काउट्स ने विश्व स्काउट दिवस एवं गाइड्स ने चिंतन दिवस 2021 के रूप में मनाया।

सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट राकेश टॉक ने बताया कि बेड़न पावेल दिवस पर आयोजित सेमिनार में बेडन पावेल एवं लेडी बेडेन पावेल की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की साथ ही उनकी जीवनी पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। सेमिनार में बी.पी. डे पर आज स्काउट्स ने सेवा कार्य के तहत आशापुरा माता मंदिर परिसर व गांव के मुख्य चौराहे पर स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता कार्य किया ।उसके बाद मानव श्रंखला बनाकर आज के इस अवसर पर सभी स्काउट्स ने गांव में नियमित सेवा कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर गणेश लाल मेघवाल, भगवती लाल आमेटा, पुष्पा शर्मा, ओमप्रकाश, समोज कुमार, राजकुमार मीणा, गोपाल लाल भील, गिरजा शंकर भील व स्काउट्स उपस्थित थे।

स्काउट गाइड ने आमजन में किये मास्क वितरित

स्काउट व गाइड उदयपुर ने परिवहन विभाग के साथ मिलकर डा. कल्पना शर्मा जिला परिवहन अधिकारी के नेतृत्व में शहर के प्रमुख चौराहों पर होर्डिंग लगाये।

सुरेंद्र कुमार पाण्डे सी.ओ. स्काउट ने जानकारी देते हुए बताया कि स्काउट के यूनिट लीडर भगवती लाल साहू एवं उनकी टीम ने सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के सान्निध्य में विभिन्न चौराहों पर होर्डिंग्स लगाए और दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने और सुरक्षित वाहन चलाने की समझाईश की। होर्डिंग लगाने के कार्यक्रम में उदियापोल, सूरजपोल, हाईकोर्ट चौराहा और चेतक सर्कल चौराहे के चारों तरफ सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रकार के अलग अलग साईज के होर्डिंग लगाए गए। इस अवसर पर डॉ. कल्पना शर्मा डीटीओ, यूनिट लीडर भगवतीलाल साहू, गाइडर तुलसी मोर्य, रोवर राघव साहु, स्काउट रूद्राक्ष साहु, गाइड अदिति साहु और जिज्ञासा साहु ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

महिला दिवस पर गाइड्स का सम्मान

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपर के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। सी.ओ. सवाईसिंह ने बताया कि जिला कलेक्टर डूंगरपर सुरेश कुमार ओला के कर कमलों से जिले में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए राखी कुमारी गहडा, ममता कटारा, निकिता कटारा, ओम कंवर, आंचल चौबीसा, प्रिया

खराडी, रिंका रोत, वन्दना रोत, संगीता कटारा, मेगिंला रोत को जिला स्तरीय नारी शक्ति पुरस्कार–2021 प्रदान कर सम्मानित किया। श्री ओला ने महिला सशक्तिकरण के श्रेत्र में गाइड की बालिकाओं के कार्य की सराहना करते हुए महिलाओं के अधिकारों एवं केन्द्र व राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

सोपान शिविर में ली जाँच विषयों की परीक्षा

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, बसेड़ी के तत्वावधान में द्वितीय, तृतीय सोपान जांच शिविर 24 से 26 मार्च 2021 तक भूतेश्वर मन्दिर बसेडी पर प्रभारी कमिश्नर हुब्बलाल शर्मा एवं सचिव संतराम शर्मा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। जाँच

शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, ध्वजगीत, ध्वजारोहण व अवतरण शिष्टाचार, राष्ट्रगान, पोशाक, स्काउट चिन्ह् व सैल्यूट, सीटी व हाथ के संकेत, कम्पास का उपयोग, दिशा ज्ञान विधि, नक्शा पढना व बनाना, प्राथमिक सहायता व किट की जानकारी, पट्‌टी बाधंना, सदमा, मूर्छित होना, दुर्घटना में घायल, जलना, झुलसना, हड्‌डी टूटना, सांप काटना व बिच्छू का डंक, मरीज को ले जाने के तरीके व स्ट्रेचर बनाना, रस्सियों के द्वारा विभिन्न प्रकार की गांठो का उपयोग, हाईक व खोज के चिन्ह, अनुमान लगाना, विभिन्न प्रकार के खेल एवं सेवा कार्य आदि विषयों की परीक्षा ली।

सालभर चलेगा नशा मुक्ति अभियान

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द द्वारा 7 अप्रेल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल ने साल भर चलने वाले नशा मुक्ति अभियान के स्टीकर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर सी.ओ.स्काउट छैल

बिहारी शर्मा, कन्हैया लाल शर्मा सहायक निदेशक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजसमन्द, धर्मेन्द्र कुमार गुर्जर स्थानीय संघ सचिव मुख्यालय राजसमन्द, जिला स्वीप कॉर्डिनेटर राम प्रकाश शर्मा, कुम्भलगढ उप प्रधान राधेश्याम राणा, राजेन्द्र कुमार बुटोलिया, रामचन्द्र मिश्रा आदि उपस्थित थे। सी.ओ. स्काउट ने बताया कि जिले के सभी राजकीय व निजी विद्यालयों में नशा मुक्ति अभियान साल भर चलेगा, जिसमें प्रत्येक विद्यालय को प्रतिमाह एक गतिविधि अनिवार्य रूप से आयोजित करनी होगी।

गतिविधियों की चित्रमय झलकियाँ

श्रीगंगानगर

करौली

अलवर

चित्तौड़गढ़

चूरू

जयपुर

पाली

जोधपुर

कोविड-19 : जागरुकता रैली एवं सेवा कार्य

प्रकाशक व मुद्रक : रविनन्दन भनोत, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, 12 रामनगर, हवा सड़क, सोडाला, जयपुर-302019 फोन : 0141-2294887, 2295097 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन तिथि – प्रत्येक माह की छः तारीख
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन :0141-2706830/2706032
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com